केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

बड़प्पन या श्रेष्ठता किसी की बुराई निकालने में नहीं बल्कि उसमें से अच्छाइयाँ निकाल कर सबके समक्ष प्रस्तुत करने में है

वर्ष : 16 अंक : 219 | उज्जैन, रविवार 18 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

विकास के हाईवे पर मध्यप्रदेश सबसे आगे : केन्द्रीय सड़क मंत्री गडकरी

मध्यप्रदेश मना रहा विकास का महापर्व, विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए चल रहा महायज्ञ - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा है कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हमारे लिए सिर्फ स्वप्न नहीं, एक संकल्प है और इस संकल्प को पूरा करने के लिए पूरा देश एकजुट और एकमत होकर काम कर रहा है। हम सब मिलकर 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाएंगे। देश के समग्र विकास के इस महायज्ञ में सबसे बड़ी आहुति मध्यप्रदेश की ही होगी। केन्द्रीय सड़क मंत्री श्री गडकरी शनिवार को विदिशा में आयोजित विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सही नेतृत्व और समर्पित सरकार से कदमताल कर हम मध्यप्रदेश को एक प्रगतिशील, समृद्ध और सम्पन्न राज्य बनाएंगे। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के विकास को और गति देने के लिए विदिशा में 4400 हजार करोड़ रुपए की लागत से 8 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया।

केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि हम मध्यप्रदेश के विकास को शक्ति देने के लिए पूरी ताकत से अपना सहयोग देंगे। इन परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने मध्यप्रदेश के विकास से जुड़ी विभिन्न सड़क परियोजनाओं पर सहमति व्यक्त कर करीब एक लाख करोड़ रुपए की नई परियोजनाओं को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अधीन 2 लाख करोड़ रुपए लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग विकस परियोजनाओं पर पहले से ही काम चल रहा है।

केन्द्रीय सड़क मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में सबसे अग्रणी राज्य है। यहां का बासमती चावल और शरबती गेहूं विश्व प्रसिद्ध है। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान अन्नदाता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। किसानों को अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता, हवाई ईंधनदाता और डामरदाता भी बनाना हमारा लक्ष्य है। नागपुर में किसान एथेनॉल का उत्पादन कर रहे हैं। भारत 22 लाख करोड़ रुपए का तेल आयात करता है। भोपाल एयरपोर्ट पर आज इलेक्ट्रिक कार देखकर मुझे प्रसन्नता हुई। देश में अब हाइड्रोजन कार पर कार्य किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि हमारे कृषि यंत्र किसानों के द्वारा तैयार ईंधन पर चलने चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान के किसानों की आय बढ़ाने के हर संभव प्रयास जारी हैं। किसानों की आय बढ़ेगी, तो वे गांव से दूर नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में विकास कार्यों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है, सिर्फ देश में गांव-गरीब-किसानों के लिए ईमानदारी से काम करने वाले कर्मठ लोगों की कमी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं। दुनिया हमारे इंजीनियर और डॉक्टर्स का लोहा मानती है। हमारे नॉलेज को वेल्थ में बदलना ही सफलता है। नागपुर शहर में टॉयलेट का पानी बेचने से ही 300 करोड़ मिल जाते हैं। अगर देश को नेता सही मिलें तो वेस्ट भी वेल्थ में बदलता है। देश के विकास का श्रेय जनप्रतिनिधियों को नहीं, उन्हें चुनने वाली जनता को जाता है।

केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि शनिवार को मध्यप्रदेश में 1 लाख करोड़ लागत के सड़क और राजमार्ग विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। प्रदेश में अभी 2 लाख करोड़ लागत के अनेक काम चल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यहां उद्योग आएंगे, व्यापार बढ़ेगा, निर्यात बढ़ेगा। युवाओं को रोजगार मिलेगा और मध्यप्रदेश एक प्रगतिशील, समृद्ध और सम्पन्न प्रदेश बनेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के विकास के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय कोई कमी नहीं रखेगा। मध्यप्रदेश में बहुतायत में हाईवे नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री गडकरी की महत्वपूर्ण घोषणाएं

16 हजार करोड़ रुपए लागत का सागर-विदिशा-कोटा तक नया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे बनाया जाएगा। इससे सागर से कोटा के बीच की दूरी 75 किमी तक कम हो जाएगी।

नसरुल्लागंज (भैरूंदा)-बुधनी रोड को 4 लेन राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में अलग-अलग 50 सड़कों के निर्माण के लिए 4500 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त भी जरूरत के अनुसार और भी राशि मंजूर की जाएगी।

विदिशा में 4 हजार करोड़ रुपए लागत से उत्तरी बायपास बनाया जाएगा।

40 हजार करोड़ रुपए की लागत से ग्वालियर-भोपाल-नागपुर को जल्द मंजूरी मिलेगी, जो आगे जाकर हैदराबाद को भी कनेक्ट करेगा।

सिंहस्थ के लिए उज्जैन-झालावाड़ 2500 करोड़ रुपए की लागत से हाईवे सहित अन्य रोड भी बनाए जाएंगे।

सीआरएफ योजना में मध्यप्रदेश को सड़क विकास कार्यों के लिए 1600 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसमें से 400 करोड़ रुपए विदिशा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के लिए होंगे।

प्रदेश को 5 ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर की सौगात मिली है। 20 अन्य ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर्स के प्रस्तावों को भी जल्द ही मंजूरी देंगे।

अटल एक्सप्रेस-वे से जुड़े सभी विकास कार्यों को भी मंजूरी देंगे।

गोपालपुर से भैरुंदा तक सड़क मार्ग को भूमि अधिग्रहण के बाद व्हाइट टॉपिंग क्रॉन्क्रीट से निर्मित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

खूंटे से बंधे दो भाइयों की बेरहम पिटाई का वीडियो वायरल, पुलिस ने 4 को किया गिरफ्तार

जानकीनगर / जीएनएस। आपसी विवाद में एक पक्ष ने मानवता को तार-तार करते हुए दूसरे पक्ष के दो सहोदर भाईयों को खूंटे से बांध जमकर पीटा। इस संदर्भ का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद हरकत में आयी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना जानकीनगर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वार्ड नंबर 05 के मधुबन की है। इसमें दूसरी प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी प्रथम पक्ष की एक महिला ने दर्ज करायी है, जिनमें दोनों पीड़ित भाईयों को नामजद किया है। वीडियो सामने आने पर जानकीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के कई लोगों को हिरासत में लेकर थाना लाया। दोनों पक्षों की ओर से लिखित आवेदन थाना में दिया गया। आवेदन के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के दो-दो लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकीनगर थाना अध्यक्ष परीक्षित पासवान ने बताया कि चंदन कुमार भारती और कुंदन भारती को खुटे से बांधकर मारपीट करने के मामले में मुकेश कुमार और गजेंद्र कुमार को जेल भेजा गया है। वहीं, पप्पू शर्मा की पत्नी रानी देवी के साथ मारपीट के आरोप में कुंदन भारती और चंदन कुमार भारती को जेल भेजा गया है। प्रथम आवेदन चंदन कुमार भारती की पत्नी दीप देवी ने दर्ज करायी है। इसमें कहा गया है कि आपसी घरेलू विवाद के दौरान मुकेश कुमार शर्मा, गजेंद्र कुमार, रानी देवी, पप्पू शर्मा सहित आठ अज्ञात लोगों ने गाली-गलौज करते हुए जान मारने की नीयत से उनके साथ मारपीट की। बचाव में आए उनके पति चंदन कुमार भारती व कुंदन भारती की खूटे से बांधकर लाठी-डंडे से पीटा गया। इधर दूसरे पक्ष की रानी देवी (पति पप्पू शर्मा) ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि विवाद के दौरान बीच-बचाव करने गई तो विपक्षी पक्ष के लोगों ने उनके साथ मारपीट की, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद

जम्मू/ जीएनएस। गणतंत्र दिवस समारोह को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जम्मू जिले में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से कड़ा कर दिया गया है। खुफिया एजेंसियों से आतंकी हमले की संभावित सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के मद्देनजर पुलिस कर्मियों की सभी प्रकार की छुट्टियां रद कर दी गई हैं और उन्हें मुख्यालय में उपस्थित रहने का आदेश दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को सुबह और शाम के समय नियमित व सघन गश्त करने के निर्देश जारी किए हैं। भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों, धार्मिक स्थलों और प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों के जरिए संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और सुरक्षा बलों के शिविरों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। इन स्थानों पर प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति और वाहनों की सघन जांच की जा रही है। बम निरोधक दस्ते और डाग स्क्वायड को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। सुरक्षा एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान कर रही हैं। जम्मू के सीमांत क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से कड़ा किया गया है। सीमा से सटे गांवों में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की गश्त बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोगों, विशेषकर विलेज डिफेंस गार्ड (वीडीजी), के साथ समन्वय बनाकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य आयोजन स्थल एमए स्टेडियम को सुरक्षा कारणों से पूरी तरह सील कर दिया गया है। स्टेडियम के आसपास के इलाकों में बैरिकेडिंग की गई है और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। सुरक्षा कारणों के चलते आने वाले कुछ दिनों तक स्टेडियम में सभी खेल गतिविधियां बंद रहेंगी।

IIT बॉम्बे की बड़ी खोज, कपड़े जैसी थर्मल बैटरी विकसित; घट सकती है स्वेटर और हीटर की जरूरत

नई दिल्ली/ जीएनएस। अब ठंड से बचने के लिए भारी जैकेट, मोटे स्वेटर या बिजली से चलने वाले हीटर पर पूरी तरह निर्भर रहने की जरूरत कम हो सकती है।

IIT बॉम्बे और IISER तिरुअनंतपुरम के वैज्ञानिकों ने मिलकर एक ऐसी नई तकनीक विकसित की है, जो सूरज की रोशनी से चार्ज होकर शरीर को गर्मी दे सकती है। वहीं, IIT इंदौर ने बीमारी पहचानने के लिए इंसानी शरीर जैसा दिखने वाला एक खास AI मॉडल भी तैयार किया है।

आईआईटी बॉम्बे और आईआईएसईआर तिरुअनंतपुरम के वैज्ञानिकों ने एक हल्की, पहनने योग्य और कपड़े जैसी थर्मल बैटरी बनाई है। यह बैटरी सूरज की रोशनी को सोखकर उसे ऊष्मा के रूप में जमा करती है। बाद में जब ठंड या अंधेरा होता है तो यह धीरे-धीरे गर्मी छोड़ती है, जिससे शरीर को आराम मिलता है। कैसे काम करती है यह तकनीक?

तकनीक बिना बिजली, तार या भारी उपकरण के काम करती है। पारंपरिक बैटरियों की तरह इसमें रासायनिक ऊर्जा को बिजली में नहीं बदला जाता। इस वजह से यह कई बार चार्ज और डिस्चार्ज होने पर भी स्थिर रहती है।

वैज्ञानिकों ने एक खास पॉलिमर तैयार किया है। इसमें पॉलीएथिलीन ग्लाइकोल और पॉलीस्टाइरीन को-एलाइल अल्कोहल को जोड़ा गया है। PEG गर्मी को संग्रहित करता है, जबकि PSAA पूरे ढांचे को मजबूती देता है।

तापमान बढ़ने पर PEG के हिस्से आंशिक रूप से पिघलते हैं, लेकिन पूरा पदार्थ ठोस बना रहता है। इसके अलावा, पॉलिमर में ग्राफीन ऑक्साइड मिलाया गया है। इससे सूरज की रोशनी सीधे ऊष्मा में बदल जाती है और बैटरी चार्ज हो जाती है।

आईआईटी इंदौर की दूसरी बड़ी उपलब्धि- इधर, IIT इंदौर ने इंसानी शरीर जैसा दिखने वाला एक एआई आधारित मॉडल तैयार किया है। इसे डिजिटलट्विन नाम दिया गया है। यह मॉडल सांस लेता है, आंखें झपकाता है और शरीर के अंदर बीमारियों के असर को दिखाता है।

इसका मकसद डॉक्टरों को बीमारी की शुरुआती पहचान और रोकथाम में मदद देना है। फिलहाल फेफड़ों के लिए डिजिटल ट्विन मॉडल तैयार किया गया है। इस पर दवाइयों और इलाज से जुड़े प्रयोग भी किए जा सकते हैं।

कहां दिखाया गया मॉडल- इस डिजिटलट्विन को हाल ही में भोपाल में हुई रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 में प्रदर्शित किया गया। यह मॉडल आईआईटी इंदौर के दृष्टि सीपीएस सेंटर द्वारा विकसित किया गया है, जो डिजिटल तकनीक पर रिसर्च करता है।

15 साल से विभाग को चूना लगा रही थी शिक्षिका! फर्जी सर्टिफिकेट पर ले ली थी नौकरी

आरा/ जीएनएस। भोजपुर जिले में 15 वर्षों से फर्जी कागजात पर एक महिला शिक्षक के नौकरी करने का मामला प्रकाश में आया है। जांच-पड़ताल में फर्जी कागजात की पुष्टि होने के बाद संदेश थाने में निगरानी के इस्पेक्टर अरुण पासवान के द्वारा नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार संदेश प्रखंड क्षेत्र के न्यू प्राथमिक विद्यालय पासी टोला संदेश में पंचायत शिक्षिका के रूप में कुमारी अलिता वर्ष 2010 से कार्य कर रही थी। उस वक्त उसने इंटर के प्रमाण पत्र के रूप में जो कागजात प्रस्तुत किए थे, उसकी जांच विगत माह पूर्व निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना के द्वारा कराई गई। उसके कागजात बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के थे, जिसे जांच के लिए पटना भेजा गया, जहां से उसके फर्जी रोल नंबर होने की रिपोर्ट भेजी गई। इस रिपोर्ट के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना के इस्पेक्टर ने संदेश थाने में विगत चार दिनों पहले न्यू प्राथमिक विद्यालय पासी टोला संदेश की शिक्षिका कुमारी अलिता के खिलाफ कुचक्र करते हुए साजिश के तहत फर्जीवाड़ा कर नौकरी लिए जाने और इस फर्जीवाड़े में कई लोगों के शामिल।

ठाकरे ब्रदर्स के पारंपरिक गढ़ तक ही सीमित रह गया मराठी बचाओ का नारा, बीएमसी चुनाव के नतीजों से क्या मिला संदेश?

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र निकाय चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी को इन चुनावों में बंपर जीत मिली है। शिवसेना शिंदे ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। मुंबई की बात करें तो इस चुनावों में शिवसेना यूबीटी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इन चुनावों को मराठी अस्मिता का नारा देकर लड़ा। कुछ हद तक ठाकरे बंधु इस प्रयास में सफल भी हुए लेकिन वो बीएमसी की सीट बचाने में नाकामयाब ही रहे।

मराठी बचाओ नारे के साथ बीएमसी चुनावों में उतरा ठाकरे परिवार दक्षिण और मध्य मुंबई, पश्चिम और पूर्वी उपनगरों के कुछ इलाकों जैसे- दादर-महीम, वर्ली, डिंढोशी, भांडुप, विक्रोली और बांद्र पूर्व में ही अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रहा।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कई उच्चवर्ग के महाराष्ट्रियों ने भाजपा को चुना, खासकर पश्चिमी उपनगरों में। उनका कहना है कि शिवसेना यूबीटी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, जबकि मनसे की हालत बेदह खराब रही और दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई। जिसका ठाकरे परिवार की सीट पर भी असर पड़ा।

बता दें कि शिवसेना यूबीटी ने मुंबई में 163 और मनसे ने 53 सीटों पर चुनाव लड़ा था। भाजपा ने 137 और शिंदे की शिवसेना ने 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे।

कलकत्ता HC से चुनाव आयोग को बड़ा झटका, सहकारी बैंक के कर्मचारियों को चुनावी ड्यूटी पर लगाने के निर्देश को किया रद

कोलकाता/ जीएनएस। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सहकारी बैंक कर्मचारियों को चुनावी ड्यूटी पर लगाने के निर्वाचन आयोग के निर्देश को रद कर दिया है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि स्वायत्त सहकारी बैंक के कर्मचारी सरकारी कर्मचारी नहीं हैं और उन्हें चुनाव कार्य के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि निर्वाचन आयोग केवल उन्हीं कर्मचारियों की सेवाएं ले सकता है, जिन पर राष्ट्रपति या राज्यपाल का नियंत्रण या अनुशासनात्मक अधिकार हो। यह आदेश न्यायमूर्ति कृष्णा राव ने पश्चिम बालागेरिया सेंट्रल को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड के कर्मचारियों द्वारा दायर याचिका पर पारित किया।

याचिकाकर्ताओं ने 19 सितंबर, 2025 को जारी उस पत्र को चुनौती दी थी, जिसमें बैंक से कर्मचारियों का विवरण निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया, ताकि बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के संबंध में चुनाव कर्मियों का डेटाबेस तैयार किया जा सके।

भारत के जेन Z को भाजपा पर भरोसा; BMC जीत के बाद बंगाल की धरती से पीएम मोदी की हुंकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। बीएमसी में जीत के बाद भाजपा के नेताओं में गजब का जोश देखने को मिल रहा है। शनिवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने भी कार्यकर्ताओं से बीएमसी की जीत के बाद अब बंगाल जीत की तैयारी करने को कहा।

बीएमसी की जीत में युवा पीढ़ी के योगदान का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि भारत का जेनजी भाजपा के विकास के मॉडल पर भरोसा करता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भाजपा को बीएमसी में रिकॉर्ड तोड़ जीत मिली है, वैसे ही इस बार बंगाल का मतदाता भी भाजपा को ही चुनेंगे। मालदा में विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने वर्तमान ममता सरकार को जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने बंगाली भाषा में गरजते हुए नारा दिया एई सरकार पलानो डोरकर (इस तृणमूल सरकार को बदलना होगा) पश्चिम बंगाल में हालिया घटनाक्रमों को लेकर ममता सरकार पर तंज कसते हुए पीएम ने कहा कि यह क्रूर तृणमूल सरकार जनता के धन की लूट कर रही है। यह राज्य सरकार ही है, जो केंद्र की योजनाओं को बंगाल की जनता तक पहुंचने से रोक रही है।

ट्रिपल इंजन सरकार मुमकिन है, मुंबई पर पहली बार बीजेपी का कंट्रोल लेकिन बहुमत के लिए शिंदे की जरूरत

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को सालों से जिस चीज की ख्वाहिश थी वह आखिरकार पूरी हो गई। बीजेपी अब भारत की सबसे अमीर निकाय (बीएमसी) पर कंट्रोल करने और अपना मेयर बनाने के लिए तैयार है। वहीं, तीन दशकों तक मुंबई पर राज करने वाला ठाकरे परिवार का कंट्रोल खत्म हो गया है।

227 सदस्यों वाली बीएमसी के लिए जो बहुमत का आंकड़ा चाहिए होता है वह महायुति ने पार कर लिया है। बीजेपी ने 89 सीटों पर जीत हासिल की है तो शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने 29 सीटें जीती हैं। चूंकि बीजेपी के पास बहुमत का आंकड़ा नहीं है तो ऐसे में बड़े फैसलों के लिए उसे शिंदे की सेना की मदद चाहिए होगी।

विपक्षी दलों का हाल- उद्धव-राज ठाकरे गठबंधन ने 71 सीटें जीतीं (उद्धव की शिवसेना ने 65 और राज ठाकरे की एमएनएस ने 6)। शहर के मराठी इलाकों में ज्यादातर वार्ड उनके पास रहे। कांग्रेस 24 सीटें जीत पाई। 2017 में कांग्रेस ने 31 सीटें जीती थीं। इस बार उसने अपने एमवीए सहयोगियों, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन नहीं किया था।

भारत- न्यूज़ीलैंड वनडे मैच के दौरान इंदौर में यातायात व्यवस्था व डायवर्शन लागू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 18 जनवरी 2026 को होलकर स्टेडियम, इंदौर में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आयोजित होने वाले वनडे क्रिकेट मैच को देखते हुए शहर में विशेष यातायात व्यवस्था एवं डायवर्शन प्लान लागू किया गया है। यह व्यवस्था दोपहर 12 बजे से मैच समाप्ति तक प्रभावशील रहेगी।

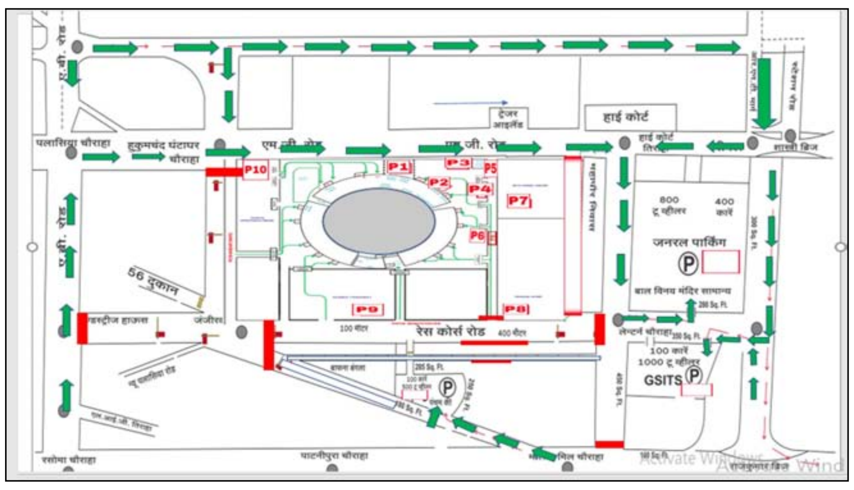

मैच के दौरान स्टेडियम की ओर सामान्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा और केवल पासधारी एवं आपातकालीन वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी। दर्शकों के लिए स्टेडियम तक पैदल प्रवेश की व्यवस्था की गई है। हुकुमचंद घंटाघर एवं पंचम की फेल की ओर से आने वाले दर्शकों का प्रवेश जंजीरवाला चौराहे से होगा, जबकि लेटर्न चौराहे की ओर से आने वाले दर्शक पैदल स्टेडियम की ओर जा सकेंगे।

पासधारी वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। विवेकानंद स्कूल एवं बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में पार्किंग पास वाले वाहनों का प्रवेश घंटाघर की ओर से होगा, वहीं स्टेडियम के अंदर एवं बाहर आईटीसी तथा अभय प्रशाल में पार्किंग पास वाले वाहन लेटर्न चौराहा अथवा यशवंत क्लब रोड की ओर से प्रवेश कर सकेंगे। बिना पास वाले वाहनों की पार्किंग बाल विनय मंदिर स्कूल, एसजीएसआईटीएस परिसर एवं पंचम की फेल मैदान में की गई है, जहां उपलब्धता के अनुसार पहले आओ-पहले पार्क करो के आधार पर व्यवस्था रहेगी।

यातायात व्यवस्था के तहत लेटर्न चौराहा से जंजीरवाला चौराहा होते हुए इंडस्ट्रीज तक, घंटाघर से जंजीरवाला चौराहा होते हुए लेटर्न चौराहा तक तथा पलासिया और घंटाघर से हाईकोर्ट व लेटर्न चौराहा तक के मार्ग सामान्य वाहनों के लिए प्रतिबंधित रहेंगे। इन मार्गों पर केवल पासधारी एवं आपातकालीन वाहनों को ही अनुमति होगी।

दोपहर 12 बजे से मैच समाप्ति के एक घंटे पूर्व तक शहर के कई मार्गों पर यातायात को डायवर्ट किया जाएगा। सिटी बसों और पासधारी वाहनों को छोड़कर अन्य सभी सवारी वाहन आवश्यकता अनुसार रीगल चौराहे से मधुमिलन की ओर भेजे जाएंगे। गीताभवन चौराहे से घंटाघर जाने वाला यातायात ढक्कनवाला कुआं होकर श्रीमाया या मधुमिलन चौराहे की ओर जा सकेगा। रीगल चौराहे से एमजी रोड एवं हाईकोर्ट या पलासिया की ओर जाने वाले मार्ग पर केवल सिटी बसें एवं आपातकालीन वाहन ही संचालित होंगे।

विजयनगर की ओर से आने वाला यातायात, जो इंडस्ट्री हाउस से राजकुमार ब्रिज होकर मरीमाता जाना चाहता है, वह एलआईजी चौराहा, पाटनीपुरा, परदेशीपुरा, सुभाष नगर एवं कुलकर्णी भट्टा ब्रिज होकर मरीमाता की ओर जा सकेगा। इसी तरह रीगल से पलासिया जाने वाले वाहन व्हाइट चर्च होते हुए एबी रोड का उपयोग कर सकेंगे। मालवा मिल से घंटाघर या इंडस्ट्री हाउस की ओर जाने वाले वाहन पाटनीपुरा, एलआईजी चौराहा से एबी रोड का प्रयोग करेंगे।

दर्शकों की सुविधा के लिए सिटी बसें घंटाघर एवं हाईकोर्ट चौराहे के आसपास यात्रियों को उतारेंगी, जहां से दर्शक पैदल स्टेडियम तक पहुंच सकेंगे। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे पलासिया से घंटाघर, हाईकोर्ट व रीगल चौराहा, मालवा मिल से लेटर्न चौराहा व हाईकोर्ट, गीताभवन से घंटाघर व मालवा मिल तथा इंडस्ट्री हाउस से जंजीरवाला जाने वाले मार्गों से यथासंभव बचें।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्टेडियम के आसपास पार्किंग की सुविधा अत्यंत सीमित है, इसलिए दर्शक सिटी बसों एवं लोक परिवहन के साधनों का अधिक से अधिक उपयोग करें। ट्रैफिक के दबाव एवं दर्शकों की भीड़ को देखते हुए यातायात डायवर्शन में आवश्यकता अनुसार परिवर्तन भी किया जा सकता है। आम जनता से यातायात पुलिस का सहयोग करने, परिवर्तित मार्गों का उपयोग करने एवं यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित रहने की अपील की गई है।

एमपी ट्रांसको ने सिंहस्थ-2028 की तैयारी का पहला नोटिफाइड कार्य समय से पूर्व किया पूर्ण

शंकरपुर, उज्जैन 220 केवी सबस्टेशन की क्षमता में वृद्धि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन हेतु मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा किए जा रहे नोटिफाइड कार्यों में से पहला कार्य निर्धारित समय-सीमा से पहले पूर्ण कर लिया गया है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जानकारी दी कि सिंहस्थ क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति को अधिक सुदृढ़, सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से 220 केवी शंकरपुर सबस्टेशन, उज्जैन की क्षमता वृद्धि का कार्य पूरा किया गया है। इसके अंतर्गत 20 एमवीए क्षमता के पुराने पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 50 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे ऊर्जीकृत किया गया है।

इन सिंहस्थ क्षेत्रों को मिलेगा सीधा लाभ - शंकरपुर सबस्टेशन की क्षमता वृद्धि से सिंहस्थ क्षेत्र के क्षिप्राविहार, गढ़कालिका, महाश्वेता, सिद्धवट, मंगलनाथ, वल्लभ नगर, आई.ओ.सी.एल., जेथल, घटिया, ज्योतिनगर, नरवर, विजयगंज मंडी, कायथा, ताजपुर एवं आर.ई.एस. क्षेत्रों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ प्राप्त होगा।

उज्जैन जिले की ट्रांसफार्मेशन क्षमता 5000 एमवीए के करीब पहुँची- एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता श्री योगेश माथुर ने बताया कि शंकरपुर 220 केवी सबस्टेशन की क्षमता वृद्धि से इसकी 132 केवी साइड की ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 176 एमवीए हो गई है।

भागीरथपुरा क्षेत्र में लगातार स्थिति तेजी से सामान्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में स्थिति तेजी से सामान्य होती जा रही है। आज भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में 50 दलों द्वारा सघन सर्वे किया गया। इसमें हेल्थ कार्ड डिस्ट्रीब्यूशन, प्रचार-प्रसार सामग्री का वितरण, पानी उबालकर पीने की सलाह, अच्छी तरह से पका हुआ भोजन करने तथा हाथ धोने के तरीकों के बारे में सर्वे दलों ने विस्तार से समझाया। स्वस्थ जीवन शैली का स्वास्थ्य पर प्रभाव के संबंध में भी सर्वे दलों ने भागीरथपुरा में निवासियों से चर्चा की। आज भागीरथपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ओपीडी में 116 मरीज पहुंचे जिसमें से डायरिया के 06 मरीज थे। किसी को भी रेफर नहीं किया गया। अस्पतालों में अब तक कुल 445 मरीज भर्ती किए जा चुके हैं। जिसमें से 429 स्वस्थ होकर अपने घरों को लौट गए हैं। 10 अभी भी वार्ड में भर्ती हैं और 06 आईसीयू में उपचारत है।

संकल्प से समाधान अभियान की निगरानी के लिए संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने संभागीय अधिकारियों को किया नियुक्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुशासन व स्वराज के लिए प्रतिबद्ध विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य अंतर्गत राज्य शासन के समस्त विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ ग्राम पंचायतों/नगरीय निकायों/तहसील एवं जिला स्तर पर उसके पात्र हितग्राहियों तक समय-सीमा में पहुंचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। 31 मार्च, 2026 तक विशेष अभियान संकल्प से समाधान अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, के लक्ष्य अनुरुप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने जिला स्तर से की जा रही कार्यवाहियों के पर्यवेक्षण के लिए संभागीय अधिकारियों को जिला आबंटित कर आदेश किये है।

जारी आदेशानुसार उपायुक्त राजस्व इंदौर श्रीमती सपना लोवंशी को जिला धार, संयुक्त आयुक्त विकास इंदौर श्री डी.एस. रणदा को जिला झाबुआ, उपायुक्त विकास एवं उप संचालक इंदौर श्री पुरूषोत्तम पाटीदार को जिला बड़वानी, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन इंदौर श्री एस.के. सिन्हा को जिला इंदौर, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग इंदौर सुश्री संध्या व्यास को जिला खंडवा, संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग इंदौर श्री ब्रजेश पाण्ड़े को जिला खरगोन, मंडल प्रबंधक राज्य सहकारी विपणन संघ इंदौर श्री अर्पित तिवारी को जिला बुरहानपुर तथा संयुक्त संचालक उद्यानिकी विभाग इंदौर श्री डी.आर. जावट को जिला आलीराजपुर में आवंटित किया गया है।

अन्नपूर्णा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चेन स्नेचिंग करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में चेन स्नेचिंग जैसी वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना अन्नपूर्णा इंदौर को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने महिलाओं से चेन झपटमारी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छीनी गई सोने की चेन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपियों में से एक निलेश मस्करा पर पूर्व से ही एक दर्जन से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशों एवं पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-04 श्री दीशेष अग्रवाल तथा सहायक पुलिस आयुक्त अन्नपूर्णा श्री शिवेन्दु जोशी के निर्देशन में थाना प्रभारी अन्नपूर्णा श्री अजय कुमार नायर व उनकी टीम ने यह कार्रवाई की।

दिनांक 13 जनवरी 2026 को फरियादिया अंजली पति गिरिश बोराडे, निवासी सुदामा नगर इंदौर ने थाना अन्नपूर्णा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपनी बहन अर्पणा चेन्डके के साथ वैशाली नगर में पैदल जा रही थीं। इसी दौरान सेक्टर-सी वैशाली नगर में एक अज्ञात बदमाश मोटरसाइकिल से आया और उनके गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित कर तत्काल आरोपियों की तलाश शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना के आधार पर आईटी पार्क सिंहासा पहाड़ी क्षेत्र में एक संदिग्ध को देखा गया। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने चेन स्नेचिंग की घटना स्वीकार की और अपने साथी के नाम का खुलासा किया। इसके बाद दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में निलेश मस्करा उम्र 31 वर्ष निवासी शिव नगर चौकी ढाणी खंडवा रोड इंदौर तथा उमेश सेन उम्र 34 वर्ष निवासी दतोदा रोड इंदौर शामिल हैं। दोनों के कब्जे से महिला से छीनी गई सोने की चेन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल होर्नेट क्रमांक स्क्र09 ड्क्त 5464 जब्त की गई, जिसकी कुल कीमत करीब 2 लाख 80 हजार रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार आरोपी निलेश मस्करा शातिर चेन लुटेरा है, जिसके खिलाफ इंदौर शहर के विभिन्न थानों में लूट, चोरी और मारपीट के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। दोनों आरोपियों के विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इंदौर में स्लीपर बसों पर आरटीओ का बड़ा एक्शन, नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यात्रियों की जान की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने स्लीपर बसों पर कड़ा शिकंजा कस दिया है। देश के विभिन्न हिस्सों में हाल के महीनों में स्लीपर बसों में आग लगने और गंभीर हादसों की घटनाओं के बाद अब इंदौर में आरटीओ ने सघन जांच अभियान शुरू कर दिया है। बस संचालकों को साफ कह दिया गया है कि यात्रियों का सफर सुरक्षित हो और सुरक्षा मानकों से किसी भी तरह का समझौता न होने दिया जाये। दो दिनों में आधा दर्जन से अधिक बसों पर कार्रवाई की गई है। एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि परिवहन आयुक्त के निर्देश के तहत बस बॉडी कोड AIS-119 एवं AIS-052 के अनुसार स्लीपर बसों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में टीम के एआरटीओ राजेश गुप्ता द्वारा बीते दिनों इंदौर जिले के सभी स्लीपर बस संचालकों और स्वामियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्हें नियमों की जानकारी देकर पालन के स्पष्ट निर्देश दिए गए। बस संचालकों से लिया लिखित में बस संचालकों से लिखित में आश्वासन लिया गया कि वे एक माह के अपनी बसों में एफडीएसएस लगवा कर सभी कमियां दूर करेंगे।

इंदौर जलकांडः पीड़ितों से मिले राहुल गांधी, बोले– यह कैसी स्मार्ट सिटी जहां लोग पानी पीकर मर रहे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के इंदौर में कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का एक दिवसीय दौरा कार्यक्रम रहा। राहुल गांधी के इंदौर एयरपोर्ट पहुंचते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वह एयरपोर्ट से सीधे मुंबई हॉस्पिटल के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने इलाजरत पीड़ितों से मुलाकात की।

इसके पश्चात राहुल गांधी इंदौर के भगीरथपुरा पहुंचे, जहां हाल ही में हुए जलकांड से प्रभावित परिवारों से उन्होंने मुलाकात की। इस दौरान माहौल भावुक रहा। पीड़ितों और स्थानीय लोगों ने राहुल गांधी से न्याय की मांग करते हुए कहा– दोषियों को सजा दिलाओ, हमें न्याय चाहिए।

पीड़ित परिजनों ने बताया कि क्षेत्र में अब भी गंदा पानी आ रहा है और लोग उसी पानी को पीने के लिए मजबूर हैं। उनका कहना था कि जिन परिजनों की गंदा पानी पीने से मौत हो गई, उसी समस्या का समाधान अब तक नहीं हुआ है। क्षेत्र में लगातार डायरिया सहित अन्य बीमारियों के मरीज सामने आ रहे हैं और लोग मजबूरी में पानी उबालकर पी रहे हैं। परिजनों ने कहा कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलेगी, तब तक उनके मृत परिजनों की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी।

राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता के रूप में चेक सौंपे और पूरे मामले पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तथाकथित स्मार्ट सिटी में लोगों को शुद्ध पेयजल तक नहीं मिल पा रहा। उन्होंने कहा, ÷यह कैसी स्मार्ट सिटी है, जहां लोग पानी पीने से मर रहे हैं। अगर मेरा यह दौरा किसी को राजनीतिक लगता है तो लगे, लेकिन सबसे जरूरी है कि लोगों को साफ और सुरक्षित पानी मिले।÷

राहुल गांधी ने प्रशासन और सरकार से इस मामले में जवाबदेही तय करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए वे उनकी आवाज को आगे तक पहुंचाएंगे।

तिलक नगर पुलिस की सतर्कता से चेन स्नैचिंग का शातिर बदमाश गिरफ्तार, एक और वारदात की फिराक में था आरोपी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में लगातार हो रही चेन स्नैचिंग की वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना तिलक नगर इंदौर को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक शातिर चेन स्नैचर को एक और वारदात करने के प्रयास के दौरान गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कुल चार चेन स्नैचिंग की घटनाएं करना स्वीकार किया है। आरोपी ऑनलाइन गेमिंग में पैसे इन्वेस्ट करने के लिए इन वारदातों को अंजाम देता था।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री कुमार प्रतीक एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मंडलोई द्वारा दिए गए निर्देशों पर यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी तिलक नगर श्री मनीष लोधा एवं इंचार्ज उप निरीक्षक नवीन पाठक के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन कर गोपनीय रूप से लगातार सूचना संकलन किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारा पूर्व में थाना तिलक नगर एवं थाना परदेशीपुरा क्षेत्र में चेन स्नैचिंग एवं झपटमारी की घटनाएं की गई थीं, जिनके संबंध में अपराध पंजीबद्ध थे। इन घटनाओं की कड़ी को जोड़ते हुए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी आशीष नायडू उम्र 49 वर्ष निवासी यादव कॉलोनी जबलपुर, वर्तमान निवासी भोला उस्ताद मार्ग वैष्णवी भोजनालय इंदौर को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मूलतः जबलपुर का रहने वाला है और वर्तमान में इंदौर के भंवरकुआ क्षेत्र में भोजनालय संचालित करता है। आरोपी हेलमेट पहनकर एक्टिवा स्कूटर से वारदातों को अंजाम देता था और खासतौर पर बुजुर्गों एवं महिलाओं को निशाना बनाता था। आरोपी से तीन सोने की चेन एवं आधी चेन सहित कुल लगभग चार लाख बावन हजार रुपये का मशरूका तथा एक एक्सिस स्कूटर जब्त किया गया है।

पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण की विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उससे अन्य संभावित वारदातों के संबंध में भी गहन पूछताछ की जा रही है। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना तिलक नगर की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसकी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की गई है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत गीता भवन चौराहे पर यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर. के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त यातायात/जोन-4 श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा गीता भवन चौराहे पर एक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नुवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने यातायात प्रबंधन पुलिस के सहयोग से सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और जिम्मेदार वाहन चालकों को प्रोत्साहित करना रहा। इस दौरान यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को फूल, पेन की चेन एवं चॉकलेट भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे न केवल उनका मनोबल बढ़ा बल्कि अन्य वाहन चालकों को भी नियमों के पालन के लिए प्रेरणा मिली। वहीं, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को प्रेमपूर्वक समझाइश देकर सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में वाहन चालकों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। उन्होंने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करने तथा सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान नुवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड की टीम के सदस्यों ने ट्रैफिक प्रहरी बनकर जागरूकता संदेशों की तख्तियां हाथ में लेकर वाहन चालकों को संकेतात्मक रूप से सड़क सुरक्षा की गंभीरता से अवगत कराया।

इन संदेशों के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि थोड़ी-सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है, जबकि यातायात नियमों का पालन जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम के अंत में यातायात एजुकेशन विंग की टीम द्वारा नुवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के सभी सदस्यों को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में दिए गए उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में नुवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के स्टेट हेड श्री संजेश महतो, श्री शिवराज सिंह चौहान, श्री सुशील शर्मा, श्री सुल्तान अहमद खान, श्री राहुल गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर समाज में सड़क सुरक्षा को लेकर सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया। वहीं यातायात प्रबंधन पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सभी सुरक्षित यात्रा कर सकें।

उमंग सिंघार ने मृतकों के परिजनों को दी आर्थिक सहायता, जताई गहरी संवेदना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से हुई 24 लोगों की मौत के मामले में मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। माननीय राहुल गांधी की मौजूदगी में श्री सिंघार ने मृतकों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

इस दौरान श्री उमंग सिंघार ने कहा कि भागीरथपुरा की घटना बेहद दुखद और मानवता को झकझोरने वाली है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के दुःख में सहभागी बनते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वहीं राहुल गांधी ने भी पीड़ित परिवारों से संवाद कर उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।

इंदौर में राहुल गांधी के साथ मंच साझा करना कांग्रेस की सोच पर सवाल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मंच पर कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया की मौजूदगी को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। इसे केवल एक औपचारिक उपस्थिति नहीं, बल्कि एक तरह की सहमति और स्वीकारोक्ति के रूप में देखा जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि यदि कांग्रेस नेतृत्व को बरैया के पूर्व बयानों और विचारों पर आपत्ति होती, तो मंच साझा करने जैसी स्थिति कभी नहीं बनती।

इस घटनाक्रम के बाद यह बहस और तेज हो गई है कि महिलाओं और एससी-एसटी समाज के प्रति जिस प्रकार की दूषित, विकृत और कुंठित मानसिकता के आरोप बरैया पर लगते रहे हैं, वह केवल किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की व्यापक सोच को भी उजागर करती है। राजनीतिक विश्लेषकों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस पूरे मामले में जिस तरह चुप्पी साधे हुए है, वह अब मौन नहीं बल्कि अप्रत्यक्ष समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

विशेष रूप से कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं, जो सार्वजनिक मंचों पर महिला सम्मान और अधिकारों की बात तो करती हैं, लेकिन अपनी ही पार्टी के भीतर उठने वाले ऐसे गंभीर मामलों पर खुलकर कोई प्रतिक्रिया नहीं देतीं। आलोचकों का कहना है कि यह दोहरा मापदंड कांग्रेस की कथनी और करनी के अंतर को उजागर करता है।

लदुसा नरेश साँवलिया सेठ के भंडार से निकली 14.10 लाख की दान राशि

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा क्षेत्र के प्रसिद्ध भगवान लक्ष्मीनारायण (साँवलिया सेठ) के भण्डार कृष्ण पक्ष की माघ मास की चतुर्दशी, दिनांक 17 जनवरी 2026 को खोला गया। इसमें कुल 14 लाख 10 हजार 438 रुपये की दान राशि प्राप्त हुई है। मंदिर समिति के ट्रस्टी पं. महेश व्यास लदुसा ने बताया कि विगत दिनों मंदिर की चतुर्थ वर्षगांठ के भव्य आयोजन में हजारों की संख्या में भक्तों ने दर्शन किए। इस सप्त दिवसीय आयोजन में मालवा क्षेत्र सहित राजस्थान, गुजरात व अन्य राज्यों के भक्तों ने भी दर्शन किये। जिला मुख्यालय से मात्र 12 किमी की दूरी पर स्थित यह मंदिर अब 'लदुसा नरेश' के नाम से पहचाना जाने लगा है।

महाआरती की बुकिंग 2029 तक फुल- ट्रस्टी पं. व्यास ने बताया कि यहाँ प्रति अमावस्या पर होने वाली सायंकाल आरती एवं महाप्रसादी के लिए समिति द्वारा निःशुल्क पंजीयन किया जाता है। इसी क्रम में भक्तों का नंबर आता है। वर्तमान में यहाँ महाआरती की बुकिंग वर्ष 2029 मार्च माह तक हो चुकी है।

आज होगी महाआरती और प्रसादी- पं. महेश व्यास लदुसा ने बताया कि आज दिनांक 18 जनवरी 2026, माघ अमावस्या को सायंकाल 7.30 बजे महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा। इसके लाभार्थी श्री निर्भयराम पिता देवराम जी गाजी व श्री नागेश्वर गाजी (निवासी लदुसा) रहेंगे। इस अवसर पर मंदिर पुजारी भगवानदास बैरागी, ट्रस्टी देवीलाल धाकड़, राजेश व्यास, श्यामबाबू परमार, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, कमलेश टेलर सहित बड़ी संख्या में ट्रस्टी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। मंदिर समिति ने सभी धर्मप्रेमियों से महाआरती व प्रसादी में पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

किसान दशरथ पाटीदार की जैविक केंचुआ खाद से सालाना दो लाख की कमाई

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम रसूलपुर मुंडली के प्रगतिशील किसान श्री दशरथ पाटीदार जो की कोरोना काल के पश्चात अपने परिवार के स्वास्थ्य के बारे में काफी परेशान थे। परिवार से विचार विमर्श कर जैविक खेती की ओर अग्रसर हुए और आज एक नए आयाम पर हैं। स्वयं केचुआ खाद बना कर अपने खेत मे उपयोग कर जैविक खेती कर रहे हैं और आसपास के किसानों को केचुआ खाद का विक्रय कर प्रतिवर्ष दो लाख रुपये केचुआ खाद से ही आय अर्जित कर रहे हैं ।

किसान श्री दशरथ पाटीदार ने बताया कि सोयाबीन, लहसुन व अन्य फसलों का उत्पादन लगातार कम हुआ तो हमने 2021 में कृषि विज्ञान केंद्र कालूखेड़ा में मिट्टी की जांच करवाई जिसमें सामने आया कि हमारे खेत की उपजाऊ क्षमता कमजोर हो गई, जिसमें मुख्य तौर पर जीवांश कार्बनिक पदार्थ की मात्रा एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी है। तब हमने कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, कालूखेड़ा एवं उद्यानिकी विभाग की अनेक योजनाओं का लाभ लेकर केचुआ खाद बनाना शुरू किया ।इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र से जैविक खेती का 25 दिवस का प्रशिक्षण प्राप्त किया और अधिकारियों के मार्गदर्शन में जैविक खेती की अवधारणा की ओर अग्रसर हुए। सबसे पहले केंचुए खाद का उत्पादन केवल एक बेड से शुरू किया, उसका मैने खेतों में प्रयोग किया ।

उसके परिणाम मिले और आज देखते ही देखते केंचुआ खाद की डिमांड हमारे क्षेत्र के आसपास के किसानों ने भी की और आज खेत की जरूरत के बाद लगभग दो लाख रुपए का केंचुआ खाद सालाना बेच देते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विभाग एवं उद्यान की विभाग के अधिकारियों द्वारा सीजन शुरू होने से पूर्व खेती से संबंधित समस्याओं से अवगत होकर उनका निदान संबंधित उपाय बताते हैं और उन्हीं के अनुरूप हम खेती करते हैं। नई-नई फसलों की उन्नतशील प्रजातियों का ही चयन कर फसल उत्पादन लिया जाता है। अधिकारियों के मार्गदर्शन में खरीफ़ में सोयाबीन की फसल का रकबा कम कर मूंगफली और मक्का लिया। जिससे मुझे सोयाबीन की अपेक्षाकृत ज्यादा लाभ मिला। वर्तमान में मेरे खेत में गेहूं, जौ एवं बेड पर हल्दी चना टमाटर मिर्च अदरक धनिया लहसुन आदि लगा रखा है।

खेलो एम पी यूथ गेम की टॉर्च मशाल रिले 20 जनवरी को रतलाम पहुंचेगी

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संचानालय खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल द्वारा खेलो एमपी यूथ गेम 2026 का आयोजन चार चरणों में ब्लॉक जिला संभाग एवं राज्य स्तर पर 13 जनवरी से 31 जनवरी तक होगा। राज्य स्तरीय आयोजन प्रदेश के 9 शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रीवा, नर्मदापुरम, सागर, एवं शिवपुरी में आयोजित किये जाएगें। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य एवं खेल मंत्री खेल ओर युवा कल्याण मध्यप्रदेश शासन की उपस्थिति में 13 जनवरी 2026 को खेलों एम पी यूथ गेम्स का शुभंकर एवं एंथम अनावरण किया गया। इस हेतु खेलो एम पी यूथ गेम की टॉर्च मशाल रिले प्रदेश स्तर से विभिन्न जिलो में होते हुए रतलाम जिले में 20 जनवरी को प्रातः 09:00 बजे पहुंचेगी। जिसमें जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर टॉर्च मशाल रिले को शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय से प्रातः 09:30 बजे प्रारंभ कर नगर निगम चौराहा, मेहंदीकुई बालाजी, छत्रीपुल, होते हुए नेहरू स्टेडियम पोलो ग्राउंड पर सम्पन्न होगी। उक्त टार्च रिले को सफल बनाने के लिए जिला खेल अधिकारी श्रीमती रूची शर्मा ने टॉर्च मशाल रिले में जिला शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, एनसीसी,एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र मध्य प्रदेश, ओलंपिक संघ राज्य/जिला खेल संघ साथ ही विभिन्न समाजसेवी/ जनप्रतिनिधियों से कार्यक्रम मे उपस्थित होकर सफल बनाने के लिए आग्रह किया है ।

उद्यानिकी महाविद्यालय द्वारा शिवगढ़ में प्रशिक्षण दिया, 70 किसानों ने सीखे औषधीय खेती के गुर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय औषधीय एवं संघीय परियोजना उद्यानिकी महाविद्यालय मन्दसौर के तत्वावधान में अनुसूचित जनजाति उपयोजना के तहत सैलाना विकास खंड के शिवगढ़ में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन डॉ दीपक हरि रानाडे अधिष्ठाता उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर के मार्गदर्शन किया गया जिसमें अनुसूचित जनजाति के 70 हितग्राही कृषक शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परियोजना प्रभारी डॉ शरद चौधरी द्वारा करते हुए औषधीय फसलों की खेती करने के फायदों के बारे में विस्तृत से जानकारी दी।

कार्यक्रम में डॉ कैलाश मीणा ने किसानों कौनसी औषधिय फसलों की खेती करने से प्रति हेक्टेयर कितनी आय प्राप्त होती है और उसका दैनिक जीवन में कितना फायदा है उसका विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद कालूखेड़ा के वैज्ञानिक डॉ रोहिताश भदौरिया द्वारा मिट्टी का परीक्षण के तरीके बताये। डॉ बी के पाटीदार ने किसानों को औषधिय फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट को कैसे नियंत्रण करने के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही डॉ ओम सिंह ने औषधीय फसलों के उत्पाद को कैसे उपयोग करना एवं कितनी मात्रा में लेना है इसके बारे में बताया। डॉ बसंत कचौली ने बताया कि किसानों को औषधिय फसलों की खेती के लिये उच्च गुणवत्ता का बीज कहा मिलेगा। कार्यक्रम के अंत किसानों को फसल की अच्छी बढ़वार के लिए आदानो का वितरण किया एवं आभार गुलाब सिंह खराड़ी के द्वारा किया गया।

कृषि विभाग प्राकृतिक खेती के लिए बड़े-बड़े क्लस्टर बनवाएं : संभाग आयुक्त आशीष सिंह

संभाग आयुक्त ने ग्राम देहरी में प्राकृतिक खेती का किया अवलोकन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने जिले के ग्राम देहरी में किसान नंदकिशोर पाटीदार द्वारा की जा रही प्राकृतिक खेती का निरीक्षण एवं अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने खेत पर पहुंचकर प्राकृतिक खेती की पद्धतियों को देखा तथा किसान से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कलेक्टर अदिती गर्ग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित कृषि विभाग उप संचालक रविंद्र मोदी अन्य जिला अधिकारी एवं किसान उपस्थित थे।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों के बड़े-बड़े क्लस्टर तैयार किए जाएं, ताकि सामूहिक रूप से प्राकृतिक खेती को अपनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि किसानों की लागत भी कम होती है और उत्पादन में भी वृद्धि होती है। अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित किया जाए। निरीक्षण के दौरान किसान नंदकिशोर पाटीदार ने बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। उन्होंने जीवामृत, जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, वेस्ट डी-कंपोजर, ताम्र छाछ, दशपर्णी अर्क एवं घन जीवामृत जैसे प्राकृतिक इनपुट्स का उपयोग करने की जानकारी दी। किसान ने बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाने से रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम हुई है, जिससे खेती की लागत में कमी आई है और फसल उत्पादन में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। संभाग आयुक्त ने प्राकृतिक खेती में उपयोग किए जा रहे कृषि उपकरणों का भी अवलोकन किया तथा उनके उपयोग के संबंध में जानकारी ली। किसान द्वारा जैविक खेती के लिए हाल ही में खरीदे गए नवीन ट्रैक्टर को भी देखा गया।

मंडी व्यापारियों से चर्चा के बाद पूर्व विधायक सिसौदिया ने की समाधान की पहल, कलेक्टर से की चर्चा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी में चल रहे विवाद और कामकाज ठप होने की स्थिति को लेकर शनिवार को मंडी व्यापारियों ने पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया से मुलाकात कर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। व्यापारियों ने मंडी में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों और लगातार बंदी से हो रहे नुकसान से उन्हें अवगत कराया।

व्यापारियों से चर्चा के बाद पूर्व विधायक सिसोदिया ने कलेक्टर अदिति गर्ग से दूरभाष पर बात कर मंडी की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मंडी की समस्याएं इतनी बड़ी नहीं हैं, जितनी दिखाई जा रही हैं। ये छोटी-छोटी समस्याएं हैं, जिनका आपसी संवाद से समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि मंदसौर की कृषि उपज मंडी क्षेत्र के व्यापार की रीढ़ है, इसलिए यहां उत्पन्न समस्याओं का शीघ्र समाधान कर मंडी को दोबारा प्रारंभ किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर अदिति गर्ग ने पूर्व विधायक को बताया कि मंडी की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। प्रशासन का पूरा प्रयास है कि सोमवार से पहले समाधान निकालकर मंडी को प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि मंडी में आ रही समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से निराकरण किया जाएगा और तीन चरणों में सभी पक्षों से वार्ता कर स्थायी समाधान निकाला जाएगा। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन चाहता है कि मंडी का व्यापार सुचारू रूप से चले और बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं का स्थायी हल निकाला जाए, ताकि किसान, व्यापारी और श्रमिक सभी को राहत मिल सके।

अंडरब्रीज में पानी निकासी को लेकर कोर्ट में हुई सुनवाई, रेल्वे अधिकारी को उपस्थिति के आदेश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गीता भवन अंडरब्रीज एवं रेल्वे स्टेशन अंडरब्रीज में हमेशा पानी भरा रहने से दो पहिया वाहन आये दिन गिरने व पेदल राहगीर पानी भरने से अंडरब्रीज पार नही करने के संबंध में अधिवक्ता विनोद सालवी, महेश कुमार मोदी, इसरार खान द्वारा जनलोक उपयोगी अदालत के समक्ष प्रस्तुत याचिका में शनिवार को सुनवाई हुई जिसमे रेल्वे अधिकारीयो ने पूर्व में अपने जवाब में अण्डरब्रीज में पानी निकासी को लेकर नगर पालिका को जवाबदेह बताया था साथ ही कलेक्टर के मध्य हुए अनुबंध को भी न्यायालय के समक्ष पेश किया था। जिस पर से शनिवार को हुई सुनवाई के दौरान न्यायालय द्वारा आगामी पेशी दिनांक 31 मई 2026 को जिम्मेदारी रेल्वे अधिकारी को न्यायालय मे उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने हेतु आदेशित किया गया है।

शहर में आवारा कुत्ते के संबंध में हुई सुनवाई- अधिवक्ता विनोद सालवी, महेश कुमार मोदी, इसरार खान द्वारा जनलोक उपयोगी अदालत के समक्ष प्रस्तुत याचिका में शनिवार को सुनवाई हुई जिसमे नगर पालिका अधिकारी हेमचंद शर्मा से न्यायालय द्वारा कुत्ते पकडने के संबंध सवाल जवाब दिये जाने पर हेमचंद्र शर्मा द्वारा बताया गया कि हम निरंतर कुत्तें पकडने का कार्य कर रहे है जिस पर से न्यायालय द्वारा आगामी पेशी दिनांक 31 मई 2026 को नगर पालिका द्वारा कितने आवरा कुत्ते को पकडकर शहर से बाहर छोडे जाने के संबंध मे विस्तृत रिपोर्ट पेश करने हेतु आदेशित किया है।

मनरेगा में किए जा रहे बदलावों एवं दूषित पेयजल से हुई त्रासदी के विरोध में कांग्रेस ने किया एकदिनी उपवास

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में किए जा रहे बदलावों तथा मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में दूषित पेयजल के कारण हुई दुखद त्रासदी के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी, मंदसौर ने जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं गांधीवादी तरीके से आयोजित किया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि इंदौर में दूषित पानी के सेवन से निर्दोष नागरिकों की हुई मृत्यु भाजपा सरकार और प्रशासनिक लापरवाही का स्पष्ट परिणाम है। कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवारों को पूर्ण न्याय दिलाने हेतु हर स्तर पर संघर्ष करेगी तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मन्दसौर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की मूलभूत जिम्मेदारी है, किंतु प्रदेश सरकार इस जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रही है। मन्दसौर शहर में भी दूषित पानी मिलने की लगातार सूचनाए मिल रही है। वर्तमान में प्रदेश भर में दूषित पेयजल की। घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। गुर्जर ने मनरेगा योजना पर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यह योजना गरीबों, मजदूरों एवं ग्रामीण परिवारों की जीवनरेखा है। बिना व्यापक विमर्श एवं सहमति के इसके स्वरूप में बदलाव करना करोड़ों जरूरतमंदों के अधिकारों पर सीधा हमला है। कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी नीति के विरुद्ध गांधीवादी तरीके से आंदोलन जारी रखेगी। उपवास कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर जनहित की लड़ाई लड़ने का दृढ़ संकल्प लिया। उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण में मंदसौर विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पुष्पा भारती पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, मनजीत सिंह टुटेजा प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी परशुराम सिसोदिया, राजेश सिंह रघुवंशी, वीरेंद्र सिंह हाडा, विकास दशोरा, सुश्री इष्टा भाचावत, डॉ. प्रीतिपाल सिंह राणा, अजय लोढ़ा, गोविंद सिंह पंवार, तरुण खींची, रामचंद्र करुण, अजगर मेव, सुरेन्द्र कुमावत, राजनारायण लाड़, वहीद जैदी, आसिफ छिपा आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

जैविक खाद एवं उत्पाद तैयार कर सालाना साढ़े तीन लाख रूपये की कमाई कर रहे है भाटखेड़ी के युवक विनोद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के ग्राम भाटखेडी के युवक विनोद पाटीदार गोबर से कैचुआ खाद एवं अन्य उत्पाद बनाकर साढे तीन लाख रुपये सालाना कमा रहे है। उनके पास 10 पशु है उनसे गोबर कम प्राप्त होता है, तो क्षेत्र के अन्य पशुपालको से साढ़े आठ हजार रुपये प्रति ट्राली में गोबर खरीद कर, केंचुआ खाद एवं वर्मीवाश तैयार कर बेच रहे है। 40 क्वीटल खाद एवं मजदूरी पर पन्द्रह हजार का खर्च आता है और इससे 30 से 35 हजार की आय कर लेते हैं। विनोद के पास पहले छोटी यूनिट थी इस वर्ष इस यूनिट की क्षमता बढ़ाकर चार गुना कर दी है, गत वर्ष जैविक खाद के 1500 बेग बेचे थे। इस वर्ष 6 हजार बेग तैयार कर रहे हैं।

संम्भागायुक्त उज्जैन श्री आशीष सिंह एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार की शाम को भाटखेडी में विनोद पाटीदार के खेत पर तैयार किया जा रहा है जैविक उत्पादों और जैविक खेती का अवलोकन किया। कमिश्नर से चर्चा में विनोद ने बताया कि वह स्वयं जैविक खेती करते हैं, जिसमें उनके द्वारा तैयार किया गया जैविक खाद ढेचा, सन बीजा के माध्यम हरा खाद प्रयुक्त किया जा रहा है। उनका प्रमुख उत्पाद, जैविक खाद है। खाद के अतिरिक्त विनोद 100 रूपये लीटर में वर्मीवाश का विक्रय भी करते हैं। उनके द्वारा उत्पादित जैविक खाद स्थानीय स्तर पर ही बिक जाता है तथा वे माँग की पूर्ति नहीं कर पा रहे है। विनोद पंचगव्य तथा 21 जड़ी बुटियों से गौकृपा अमृतम् किसानों को मुफ्त में प्रदान कर रहे है, जो तरल खाद के रूप में प्रयुक्त होता है।

दलौदा पुलिस ने 100 क्विंटल लहसुन गायब कर मुम्बई बेचने वाले गिरोह को पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मीणा के द्वारा निर्देश जिले के सभी थाना प्रभारियों को दिये गये, जिसके पालन में कार्यवाही करते उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी थाना दलौदा के नेतृत्व में दलौदा से 100 क्विटंल लहसुन को ले जाकर मुम्बई लहसुन मंडी में बेचने वाले गिरोह को पकडकर माल बरामद करने में सफलता मिली है। घटना अनुसार दलौदा थाने पर दिनांक 10.06.2025 को फरियादी महेन्द्र सिंह राजपुत निवासी लखमाखेडी ने अपने मंडी दुकान से 100 क्विंटल (10 टन) के लगभग 222 कट्टे के धोखाधडी पूर्वक गायब हो जाने के संबंध में शिकायत की थी। प्रकरण में विशेष टीम ने तकनीकी साक्षीयो के आधार पर वैज्ञानिक अनुसंधान कर मुख्य आरोपी सोहन उर्फ सोनु पिता दशरथ पाटीदार निवासी रानीगाँव जिला रतलाम को पुणे, मुम्बई महाराष्ट्र राज्य में संभावित स्थानो पर दबिश देने के बाद हिमाचल प्रदेश के राजगढ से गिरफ्तार किया। अब तक की गई गिरफ्तारी में सोहन उर्फ सोनु पिता दशरथ पाटीदार निवासी रानीगाँव रतलाम, राजेन्द्र पिता बलवंत सिंह राजपुत निवासी नागदा जिला धार, शुभम पिता हरिसिंह देवडा निवासी मंदसौर जिला मंदसौर, अनिल पोरवाल निवासी नीमच जिला नीमच शामिल हैं। फरार आरोपी में पुष्कर पिता लक्ष्मीनारायण पाटीदार निवासी बरथुन जिला नीमच है, जिसकी तलाश की जा रही है। इस सराहनीय कार्य में उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी दलौदा, सउनि प्रमोद सिंह , प्रआर. अजीत सिंह, प्रआर.जितेन्द्र सिंह गौर आर. गजेन्द्र सिंह, आर.सागर शर्मा, आर. जितेन्द्र कोठे, आर. जितेन्द्र कटारिया, आर. सुनील यादव, आर. नारायण डाबी, आर. अनिल आर्य, आर. विजेन्द्र सिंह गुर्जर का महत्वपूर्ण भूमिका रही।

त्वरित उपचार के लिए मनासा में वेंटीलेटरयुक्त एक वार्ड तत्काल प्रारंभ करें- राजेन्द्र शुक्ल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री ने मनासा में वरिष्ठ अधिकारियों और चिकित्सकों की बैठक में जीबीएस पीडित मरीजों के उपचार, बचाव एवं सुरक्षा उपायों की समीक्षा की प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग श्री राजेन्द्र शुक्ल ने शनिवार को नीमच जिले के मनासा पहुच कर अधिकारियों की बैठक में जी.बी.एस. संभावित मरीजों के उपचार की व्यवस्था घर-घर स्क्रीनिंग की व्यवस्था और संभावित बीमारी की रोकथाम के उपायों पर विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक निर्देश भी दिए।

बैठक में संभागायुक्त उज्जैन श्री आशीष सिह ने उप मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया, कि मनासा के सभी वार्डो में स्वास्थ्य विभाग टीमों द्वारा घर-घर सर्वे कर सामान्य सर्दी, खासी, बुखार के मरीजों को चिंहित किया जाकर, पीडितों के परिवारजनों को स्वास्थ्य उपायों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। सभी मरीज उपचाररत होकर ठीक है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को जिला प्रशासन एवं जिले की स्वास्थ्य टीमों द्वारा मनासा में घर-घर स्क्रीनिंग कार्य, जनजागरूकता कार्य और रिर्पोटेड मरीजों की निःशुल्क त्वरित उपचार व्यवस्था और मरीजों के निरंतर फालोअप की व्यवस्था के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जिला प्रशासन द्वारा मनासा में संभावित मरीजों के रिर्पोट होने के बाद त्वरित कार्यवाही कर घर-घर स्क्रीनिंग सेम्पलिंग एवं उपचार की व्यवस्था के कार्य की सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मनासा सिविल अस्पताल में स्क्रीनिंग में पाए जाने वाले संभावित रोगियों के त्वरित निःशुल्क उपचार के लिए मनासा में वेंटीलेटरयुक्त एक पृथक से वार्ड स्थापित करने और इस वार्ड में चिकित्सक सहित आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। जिससे,कि सर्दी, खासी, बुखार के मरीजों व अन्य मरीजों को स्थानीय स्तर पर तत्काल उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सके और मरीजों को अन्यत्र रेफर ना करना पडे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संभावित जीबीएस के फैलाव को रोकने के समुचित उपाय सुनिश्चित करने, चिंहित, रिर्पोटेड मरीजों को त्वरित उपचार सुविधा मुहैया कराने, मनासा में पर्याप्त संख्या में आवश्यक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मनासा में वेंटीलेटरयुक्त एक लाईव सर्पोट सिस्टम के साथ एम्बुलेंस की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश भी स्वास्थ्य विभाग को दिए है। साथ ही मेडीकल कालेज नीमच से मनासा में चिकित्सकों की टीम भी तैनात करने के निर्देश दिए है।

संभागायुक्त आशीष सिह ने भाटखेडी बुजुर्ग में किया पशुपालकों से संवाद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त उज्जैन श्री आशीष सिह ने शुक्रवार को शाम को मनासा क्षेत्र के प्रवास दौरान गांव भाटखेडी बुजुर्ग में क्षीर धारा ग्राम योजना के तहत आयोजित शिविर में पशुपालकों से संवाद किया। इस मौके पर कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, सरपंच श्री मनोज पुरोहित एवं अन्य अधिकारी तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री सिह ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम भाटखेडी में पशुओं में सुधार के लिए कृत्रिम गर्भाधान कार्य के लिए एक प्रशिक्षित मैत्री को तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होने गांव में पशुपालकों की संख्या, दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध समिति सदस्यों की संख्या, आदि के बारे में जानकारी ली।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीति और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है।

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी में इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पुणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था।

इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। 'मराठी मानुष' जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है।

अंतरमौन ही सृष्टि के आनंद से एकाकारिता है

भारतीय संस्कृति उत्सवों की संस्कृति है तथा प्रत्येक पर्व का अपना विशिष्ट महत्व होता है। प्रत्येक पर्व से जुड़ी अवधारणाएं हमें किसी न किसी रूप में परमात्मा से जोड़ने का प्रयास करती हैं। क्योंकि भारतीय संस्कृति ऋषियों तथा मनीषियों द्वारा ध्यान की अवस्था में प्राप्त ज्ञान के माध्यम से निर्धारित की गई है। जिन्होंने जटिल तथ्यों को सामान्य जन के लिए सरलतम क्रियाकलापों द्वारा त्योहारों का रूप प्रदान किया। समय के साथ ये वास्तविक उद्देश्य से भटककर आडंबरों व कर्मकाण्ड का शिकार हो गए। परंतु इन उत्सवों की प्रायोगिकता व उपयोगिता आज भी वही है। ऐसा ही एक पर्व है माघ मास की अमावस्या जिसे मौनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान व अन्य धार्मिक कार्यों के अतिरिक्त सर्वाधिक महत्व है मौन रहकर ईश्वर की आराधना करने का।

जानने योग्य तथ्य यह है कि वास्तविक मौन क्या होता है? क्या शब्दों के प्रवाह को रोक लेना और विचारों का प्रवाहित होते रहना मौन कहा जा सकता है? शायद नहीं। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने वास्तविक मौन की व्याख्या कुछ इस प्रकार की है कि, आप में शांति और निर्विचार जागरूकता स्थापित होनी चाहिए । आप अंतरमौन (आंतरिक मौन) में हैं लेकिन बाहर की सभी चीजों से अवगत हैं। आपकी दृष्टि में साक्षी भाव होगा। आपकी बुद्धि गतिशील हो जाएगी, अद्वितीय हो जाएगी।

वास्तव में विचारों का मौन होना, अंतर्द्वंद्वों का मौन होना, ईर्ष्या, द्वेष व अहंकार का मौन होना, कटु शब्दों का मौन होना ही वास्तविक मौन होता है। यह मौन मनुष्य के लिए कुछ कठिन अनुष्ठान है विशेषकर विचारों का मौन होना। और इसका सबसे सरल साधन है वर्तमान में स्थित रहना। सहजयोग में श्री माताजी की कृपा में जब कुंडलिनी का जागरण होता है तो आत्मज्ञान की प्राप्ति होती है। जिन परमात्मा को हम मंदिरों या अन्य साधनों में खोज रहे थे उनकी उपस्थिति का एहसास सहज ही आपके अपने हाथों पर होने लगता है और तब हम स्वयं को बहुत ही सहज तरीके से भूत और भविष्य से निकालकर वर्तमान में स्थापित कर पाते हैं मौन स्वयं ही हमारे व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाता है और हम शांति व प्रेम हमें अपने ह्रदय में हर पल महसूस होता है। इसका अनुभव लाखों साधकों ने स्वयं किया है, इस मौनी अमावस्या पर स्वयं को मौन का वास्तविक अनुभव व आनंद देने हेतु सहज योग ध्यान को एक अवसर अवश्य प्रदान करें।

अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन

मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है, वह आत्मा की सबसे सघन भाषा है। 18 जनवरी 2026 को आने वाली मौनी अमावस्या इसी मौन की महत्ता को जीवन के केंद्र में प्रतिष्ठित करने का पावन, सिद्ध एवं पवित्र अवसर है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में मौन को जितना ऊँचा स्थान दिया गया है, उतना शायद किसी अन्य साधना को नहीं। ऋषियों ने कहा है कि जहाँ शब्द समाप्त होते हैं, वहीं से सत्य आरंभ होता है। मौन वही बिंदु है जहाँ मन की चंचल तरंगें थमती हैं और चेतना का निर्मल सरोवर प्रकट होता है। यह जीवन का सौंदर्य भी है और ऊर्जा का अक्षय भंडार भी। मौन में शक्ति संचित होती है, दिशा मिलती है और अध्यात्म को गति प्राप्त होती है। मौनी अमावस्या का संबंध केवल कैलेंडर की एक तिथि से नहीं, बल्कि जीवन के गहरे अनुशासन से है। यह दिन मनुष्य को बाहरी कोलाहल से हटाकर अंतर्मुखी होने का निमंत्रण देता है। मौन का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति निष्क्रिय हो जाए, बल्कि यह कि उसकी चेतना जाग्रत हो जाए। जब वाणी विश्राम करती है, तब विवेक बोलने लगता है। मनुष्य का मन, जो सामान्यतः अतीत और भविष्य के बीच भटकता रहता है, मौन में वर्तमान में टिकना सीखता है। यही एकाग्रता आत्मशुद्धि का द्वार खोलती है। मौन साधना है, तप है और जीवन की आध्यात्मिक ऊँचाई है।

मौनी अमावस्या को अमावस्या का भी विशेष महत्व है। अमावस्या का अंधकार बाहरी रूप से भले ही रिक्तता का संकेत दे, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह भीतर की यात्रा का प्रतीक है। जब चंद्रमा अदृश्य होता है, तब मनुष्य के भीतर का चंद्र प्रकट होने की संभावना बनती है। मौन और अमावस्या का यह संयोग आत्मचिंतन को अत्यंत प्रभावशाली बना देता है। इस दिन किया गया मौन-व्रत केवल वाणी का संयम नहीं, बल्कि विचारों का परिष्कार भी है। विचारों की शुद्धि से ही कर्म शुद्ध होते हैं और कर्मों की शुद्धि से जीवन पवित्र बनता है। मौनी अमावस्या का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष पितृ तर्पण और पिंडदान से जुड़ा है। भारतीय संस्कृति में पितरों को केवल अतीत की स्मृति नहीं माना गया, बल्कि वे हमारी चेतना की जड़ें हैं। जिनसे हमें जीवन मिला, जिनके संस्कार हमारे रक्त में प्रवाहित हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना आध्यात्मिक दायित्व है। इस दिन पवित्र नदियों के तट पर या श्रद्धा के साथ घर में किया गया तर्पण और पिंडदान पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करता है। ऐसा माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन किए गए तर्पण से पितृलोक में विशेष संतोष और तृप्ति का संचार होता है।

तर्पण केवल जल अर्पण की क्रिया नहीं है, वह स्मरण की साधना है। जब संतति अपने पूर्वजों को श्रद्धा से याद करती है, तो एक अदृश्य सेतु बनता है जो पीढ़ियों को जोड़ता है। पिंडदान के माध्यम से पितरों की अधूरी कामनाओं को पूर्णता की दिशा मिलती है और उन्हें मोक्ष की ओर अग्रसर होने में सहायता प्राप्त होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि मौनी अमावस्या के दिन किया गया पिंडदान अनेक अमावस्याओं के फल के बराबर होता है, क्योंकि इस दिन मौन की ऊर्जा कर्म को कई गुना प्रभावशाली बना देती है। इस दिन मौन के साथ किया गया तर्पण साधक के भीतर भी गहरा परिवर्तन लाता है। जब व्यक्ति मौन रहकर पितरों का स्मरण करता है, तो उसका अहंकार स्वतः झुक जाता है। उसे यह बोध होता है कि वह अकेला नहीं है, बल्कि एक लंबी परंपरा की कड़ी है। यह बोध जीवन में विनम्रता, करुणा और संतुलन को जन्म देता है। मौन की शांति में किया गया स्मरण केवल पितरों को ही नहीं, स्वयं साधक को भी मुक्त करता है। वह अपने भीतर जमी अनेक ग्रंथियों को खोल पाता है।

मौनी अमावस्या पर मौन धारण करना मन को एकाग्र करने का सशक्त साधन है। मनुष्य का सबसे बड़ा संघर्ष अपने ही मन से है। वाणी जब निरंतर सक्रिय रहती है, तो मन भी बाहर की ओर दौड़ता रहता है। मौन उसे भीतर लौटने का अवसर देता है। इस दिन यदि व्यक्ति कुछ समय के लिए पूर्ण मौन रखे, ध्यान करे, जप करे या केवल श्वास के आवागमन को साक्षी भाव से देखे, तो आत्मा पर जमी धूल स्वतः झड़ने लगती है। यही आत्मशुद्धि है, यही साधना का सार है। मौन जीवन को सुंदर बनाता है क्योंकि वह अनावश्यक को हटाता है। जहाँ मौन है, वहाँ क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष स्वतः क्षीण हो जाते हैं। मौन शक्ति का केंद्र इसलिए है क्योंकि वह ऊर्जा को व्यर्थ बिखरने नहीं देता। जो ऊर्जा शब्दों में नष्ट होती है, वही मौन में संचित होकर साधना बन जाती है। इसी संचित ऊर्जा से व्यक्ति अपने जीवन को ऊँचाई देता है। मौन अध्यात्म की गति है क्योंकि यह सीधे आत्मा से जुड़ता है, किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती।

वस्तुतः आध्यात्मिक क्षेत्र में मौन का एक विशिष्ट और अपरिहार्य स्थान है। यह कोई साधारण चुप्पी नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यवस्थित और वैज्ञानिक साधना है, जिसे अपनाकर साधक अपनी चित्त-वृत्तियों को विक्षेप से बचा लेता है। मौन के अभ्यास से जीवनी शक्ति और प्राण शक्ति परिपुष्ट होती है।

व्यक्ति अपने भीतर एक नई स्फूर्ति, नई ताजगी और आंतरिक ऊर्जा का अनुभव करता है। निरंतर बोलते रहने से न केवल वाणी की प्रभावशीलता क्षीण होती है, बल्कि उससे मस्तिष्क की सूक्ष्म शक्तियों का भी अनावश्यक क्षय होता है। मौन के द्वारा वाणी सुरक्षित होती है, परिष्कृत होती है और उसमें गहन प्रभाव उत्पन्न होता है। अध्यात्म क्षेत्र में जिस वाक्-सिद्धि की चर्चा की जाती है, उसका मूल आधार भी मौन-साधना ही है। कम बोलने वाला व्यक्ति जब बोलता है, तो उसके शब्दों में स्वतः ही वजन और प्रभाव आ जाता है।

महात्मा गांधी अपने जीवन में मौन को विशेष महत्व देते थे। उनकी आत्मकथा से ज्ञात होता है कि वे प्रति सप्ताह एक दिन मौन रखते थे। उनका अनुभव था कि मौन से उन्हें गहरा विश्राम मिलता है और कार्य करने के लिए नई शक्ति का संचार होता है। इसी प्रकार आचार्य तुलसी भी प्रायः प्रतिदिन नियमित रूप से मौन-साधना करते थे। वे कहा करते थे कि मौन से उन्हें अपूर्व आंतरिक आनंद की अनुभूति होती है। यह एक सुनिश्चित तथ्य है कि यदि मौन-साधना के साथ मनोवृत्तियों को आत्मचिंतन में लगा दिया जाए, तो आध्यात्मिक आनंद का निर्झर स्वतः प्रवाहित होने लगता है। महान संत महर्षि रमण के विषय में प्रसिद्ध है कि वे प्रायः मौन ही रहते थे, किंतु उस मौन में इतनी गहन संप्रेषण शक्ति थी कि उनके समीप आने वाले जिज्ञासुओं की जटिलतम समस्याओं का समाधान बिना शब्दों के ही हो जाता था। वस्तुतः मौन एक अंतर्भाषा है-ऐसी भाषा जो शब्दों से परे होकर सीधे आत्मा से संवाद करती है। प्राचीन ऋषि-मुनि अपने शिष्यों को मौन के माध्यम से ही उपदेश देते थे। मौन-साधना से वे सभी सिद्धियाँ प्राप्त की जा सकती हैं, जिनकी प्राप्ति के लिए अन्य कठिन योग-साधनाओं का सहारा लेना पड़ता है। मौन, साधना का शिखर भी है और साधना का आधार भी।

मौनी अमावस्या हमें यह सिखाती है कि जीवन की वास्तविक प्रगति बाहरी उपलब्धियों से नहीं, भीतर की शांति से मापी जाती है। इस दिन का संदेश स्पष्ट है कि कुछ क्षण रुकिए, मौन में उतरिए और अपने मूल से जुड़िए। पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर, उनके लिए तर्पण और पिंडदान कर, और स्वयं के लिए मौन साधना अपनाकर मनुष्य अपने जीवन को संतुलित और सार्थक बना सकता है।

यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मौन कोई रिक्तता नहीं, बल्कि पूर्णता है, कोई कमजोरी नहीं, बल्कि अपार शक्ति है। अंततः मौनी अमावस्या आत्मा का पर्व है। यह न केवल पितरों को मोक्ष की दिशा में ले जाने वाला अवसर है, बल्कि जीवित मनुष्य के लिए भी आंतरिक मुक्ति का द्वार है। मौन के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के शोर से मुक्त होता है, और जब भीतर शांति स्थापित होती है, तभी जीवन में सत्य, करुणा और चेतना का प्रकाश फैलता है। मौनी अमावस्या हमें इसी प्रकाश की ओर अग्रसर होने का मौन आमंत्रण देती है। अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन।

-ललित गर्ग

नीति आयोग के सुझाव समाधान हैं या आधा-अधूरा इलाज?

भारत की शहरी आवास संबंधी चुनौती केवल अपर्याप्त ऋण उपलब्धता या गृह-स्वामित्व योजनाओं से ही संबंधित नहीं है। हमारे शहर इस तरह की परिस्थितियां बनाने में विफल हो रहे हैं जहां किफायती घर बनाना आर्थिक रूप से व्यवहार्य हो। इसके परिणामस्वरूप परिवारों को अनौपचारिक बस्तियों में रहना पड़ता है, लंबी दूरी तय करनी पड़ती है और कर्ज का भारी बोझ उठाना पड़ता है। किफायती आवास पर नीति आयोग की नई रिपोर्ट इस संकट के कारण सामने रखती है।

जमीन का महंगा होना, प्रतिबंधात्मक नियोजन मानदंड, किराया बाजार का कमजोर होना, नियामकीय देरी और राजकोषीय प्रोत्साहनों को वापस लिया जाना। इसके परिणामस्वरूप किफायती आवास, डेवलपर्स और फाइनैंस करने वाले दोनों के लिए भारी जोखिम और कम लाभ वाला प्रस्ताव बन गया है। पिछले दशक में आवासीय निजी इक्विटी में 8 फीसदी से भी कम निवेश आया है, जबकि इस क्षेत्र में विदेशी फंडों का योगदान केवल 10.2 फीसदी रहा है। नाइट फ्रैंक और नैशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) के हालिया आंकड़े समस्या की गंभीरता को रेखांकित करते हैं। भारत के आठ प्रमुख शहरों में 50 लाख रुपये से कम कीमत वाले घरों के लिए आपूर्ति और मांग का अनुपात 2019 के 1.05 से घटकर 2025 की पहली छमाही में 0.36 हो गया। इस बीच, नई आपूर्ति में किफायती आवास का हिस्सा 2018 में 50 फीसदी से अधिक से गिरकर अब केवल 17 फीसदी रह गया है, जो बताता है कि रियल एस्टेट डेवलपर्स इस क्षेत्र से पीछे हट रहे हैं। शहरी किफायती आवास की कमी का अनुमान 94 लाख इकाइयों का है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न-आय वर्ग (एलआईजी) और मध्यम-आय वाले परिवारों की संयुक्त मांग वर्ष 2030 तक 3 करोड़ इकाइयों तक पहुंचने का अनुमान है। नीति आयोग के प्रस्ताव किफायती आवास नीति में लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव के समान हैं। इसके केंद्र में आयकर अधिनियम की धारा 80-आईबीए को नए सिरे से जीवित करने का सुझाव है, जिसने 2016 से 2022 के बीच डेवलपर्स को स्वीकृत किफायती आवास परियोजनाओं से होने वाले लाभ पर पूर्ण कर छूट प्रदान की थी। इसे वापस लाने से परियोजना की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी और नीति की निश्चितता का एक स्तर बहाल होगा, जिसकी निजी डेवलपर्स को सख्त कमी महसूस हुई है। रिपोर्ट में यह सिफारिश भी की गई है कि किफायती आवास रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट) के लिए किराये की आय और पूंजीगत लाभ को कर से मुक्त किया जाए।

-धनंजय राजौरा

पारदर्शिता का भ्रम और हरियाणा लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न

हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा हाल ही में जारी प्रेस विज्ञप्ति में अपनी कार्यप्रणाली को लेकर चार बिंदुओं में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया है। पहली दृष्टि में यह स्पष्टीकरण पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का आभास कराता है, किंतु जब इन दावों को वास्तविक आँकड़ों, भर्ती परिणामों, न्यायालयीन हस्तक्षेपों तथा अभ्यर्थियों के अनुभवों के संदर्भ में परखा जाता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह सफाई कम और तथ्यों से ध्यान हटाने का प्रयास अधिक है। आयोग का यह कहना कि उसकी छवि के विरुद्ध ÷झूठा नैरेटिव÷ गढ़ा जा रहा है, स्वयं अनेक गंभीर प्रश्नों को जन्म देता है।

सबसे पहला और मूल प्रश्न यही है कि क्या हरियाणा लोक सेवा आयोग वास्तव में एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और योग्यता आधारित संवैधानिक संस्था की तरह कार्य कर रहा है। यदि ऐसा है, तो फिर प्रत्येक भर्ती के उपरांत बड़ी संख्या में पदों का रिक्त रह जाना, चयन प्रक्रिया के बीच नियमों का बदला जाना तथा अभ्यर्थियों को बार-बार न्यायालय की शरण लेने के लिए विवश होना कैसे उचित ठहराया जा सकता है।

प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों और तकनीकी विशेषज्ञों की भारी कमी किसी से छिपी नहीं है। इसके बावजूद आयोग द्वारा संचालित भर्तियों में सैकड़ों और हज़ारों पदों को जानबूझकर रिक्त छोड़ा जाना एक गंभीर विसंगति को उजागर करता है। हरियाणा सिविल सेवा में सौ पदों में से केवल इकसठ पदों को भरना, कृषि विकास अधिकारी भर्ती में छह सौ में से मात्र पचास नियुक्तियाँ करना, स्नातकोत्तर अध्यापक, प्रवक्ता तथा महाविद्यालय अध्यापक भर्तियों में आधे या उससे अधिक पदों को रिक्त छोड़ देना यह दर्शाता है कि समस्या योग्य अभ्यर्थियों की कमी नहीं, बल्कि चयन प्रक्रिया की नीयत और दिशा में निहित है।

महाविद्यालय अध्यापक भर्ती का उदाहरण विशेष रूप से चिंताजनक है, जहाँ कुल दो हज़ार चार सौ चौबीस पदों में से लगभग तीन-चौथाई पद रिक्त रह गए। जब देश भर में हज़ारों शोध उपाधि धारक, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण और कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता उपलब्ध हैं, तो यह मानना कठिन है कि योग्य अभ्यर्थी ही नहीं मिले। यह स्थिति तब और अधिक संदेह उत्पन्न करती है जब इन्हीं रिक्त पदों के समानांतर हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से ठेके पर नियुक्तियाँ की जाती हैं और बाद में उन्हीं में से अनेक को नियमित भी कर दिया जाता है। यह प्रक्रिया योग्यता आधारित चयन व्यवस्था की आत्मा पर सीधा प्रहार है और इसे पिछली राह से प्रवेश कहना पूर्णतः उचित है।

आयोग की कार्यप्रणाली पर उठने वाला दूसरा बड़ा प्रश्न हरियाणा के युवाओं की निरंतर उपेक्षा से संबंधित है। अनेक भर्तियों में अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों का अनुपात असामान्य रूप से अधिक रहा है। राजनीति विज्ञान विषय में महाविद्यालय अध्यापक भर्ती में अठारह में से ग्यारह चयन अन्य राज्यों से होना, तकनीकी प्रवक्ता वर्ग में एक सौ सत्तावन में से एक सौ तीन चयन हरियाणा के बाहर के होना, हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा में लगभग एक-तिहाई चयन बाहरी होना – ये आँकड़े किसी सामान्य संयोग की ओर संकेत नहीं करते।

स्थिति यहाँ तक पहुँच चुकी है कि कुछ महाविद्यालय अध्यापक भर्तियों में हरियाणा के अभ्यर्थियों का प्रतिशत आठ प्रतिशत से भी कम रहा, जबकि स्नातकोत्तर अध्यापक भर्तियों में लगभग आधे चयन अन्य राज्यों से हुए। यदि इसमें कृषि विकास अधिकारी और आयुर्विज्ञान अधिकारी जैसी भर्तियों के आँकड़े भी जोड़ दिए जाएँ, तो यह तस्वीर और अधिक भयावह हो जाती है। इसके साथ-साथ आयोग की परीक्षाओं से हरियाणा सामान्य ज्ञान को हटाया जाना तथा न्यायिक सेवा में निवास प्रमाण पत्र की अनिवार्यता समाप्त किया जाना यह संकेत देता है कि नीतिगत स्तर पर हरियाणा के युवाओं के हितों की उपेक्षा की जा रही है।

इन संरचनात्मक प्रश्नों से भी अधिक गंभीर वे अनियमितताएँ हैं, जिनके कारण बार-बार न्यायालयों को हस्तक्षेप करना पड़ा है। भर्ती प्रक्रिया के बीच नियमों में परिवर्तन, जैसे संस्कृत विषय की स्नातकोत्तर अध्यापक भर्ती में पैंतीस प्रतिशत का मापदंड लागू करना, किसी भी निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। प्रश्नपत्रों में नकल, पुराने प्रश्नों की पुनरावृत्ति और कई मामलों में सीधे-सीधे प्रश्नों की प्रतिलिपि होना केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सिविल सेवा, स्नातकोत्तर अध्यापक और महाविद्यालय अध्यापक जैसी प्रमुख भर्तियों तक फैला रहा है।

प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएँ, चाहे वे सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित हों या दंत शल्य चिकित्सक भर्ती से, आयोग की विश्वसनीयता को गहरा आघात पहुँचाती हैं। इसके अतिरिक्त लगभग प्रत्येक परीक्षा में गलत उत्तर कुंजी जारी होना और आपत्ति दर्ज कराने के नाम पर प्रति प्रश्न ढाई सौ रुपये की वसूली अभ्यर्थियों के आर्थिक और मानसिक शोषण का स्पष्ट उदाहरण है। इससे भी अधिक चिंताजनक वे प्रकरण हैं, जिनमें कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों का चयन हुआ और अधिक अंक प्राप्त करने वाले बाहर कर दिए गए। ऐसे अनेक उदाहरण चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

आरक्षण और दिव्यांग कोटे के गलत क्रियान्वयन के मामले भी न्यायालयों तक पहुँचे हैं। यह दर्शाता है कि संवैधानिक प्रावधानों का पालन भी चयन प्रक्रिया में सुनिश्चित नहीं किया जा रहा। प्रशासनिक विकास सहायक जैसी भर्तियों में पद से संबंधित प्रश्न न पूछे जाने के कारण न्यायालय द्वारा पूरी भर्ती को निरस्त किया जाना इस बात का प्रमाण है कि समस्याएँ केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मूलभूत हैं।

इन सभी अनियमितताओं के बीच आयोग का यह दावा कि अभ्यर्थियों की शिकायतों और अभ्यावेदनों पर प्रभावी कार्रवाई की जाती है, वास्तविकता से कोसों दूर प्रतीत होता है। हिन्दी विषय की महाविद्यालय अध्यापक भर्ती में प्रश्नपत्र निरस्त होने और पुनः परीक्षा होने के बावजूद गलत और नकल किए गए प्रश्नों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कई भर्तियों में दो बार आवेदन और दो बार शुल्क लिया गया, किंतु परीक्षा केवल एक ही बार करवाई गई। बार-बार लिखित और मौखिक शिकायतों के बावजूद आयोग की ओर से कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया गया।

दिव्यांग अभ्यर्थियों द्वारा आयोग, मुख्यमंत्री शिकायत प्रकोष्ठ तथा मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्रों पर भी कोई कार्रवाई न होना इस दावे को और कमजोर करता है कि शिकायत निवारण व्यवस्था प्रभावी है। जब हर मामले में अभ्यर्थियों को न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाना पड़ता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आयोग की आंतरिक शिकायत निवारण प्रणाली वास्तव में किस हद तक कार्यशील है। आयोग का तीसरा प्रमुख दावा यह है कि उसकी संपूर्ण प्रक्रिया सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है। यदि वास्तव में ऐसा है, तो फिर उत्तर पुस्तिकाएँ क्यों नहीं दिखाई जातीं। आदर्श उत्तर कुंजी क्यों उपलब्ध नहीं करवाई जाती। चयन मानदंड को महीनों तक गोपनीय क्यों रखा जाता है। महाविद्यालय अध्यापक भर्ती में एक वर्ष तक चयन मापदंड न बताना और भर्ती पूर्ण होने के बाद भी उसे सार्वजनिक न करना पारदर्शिता नहीं, बल्कि मनमानी का उदाहरण है।

— डॉ. सत्यवान सौरभ

रिश्तों में संतुलन का संकट : भावनाओं के शोषण की सामाजिक सच्चाई

मनुष्य का जीवन रिश्तों के ताने-बाने से ही आकार लेता है। परिवार, मित्रता, प्रेम, सहयोग और सामाजिक संबंध–ये सभी हमारे अस्तित्व को अर्थ प्रदान करते हैं। किंतु आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि रिश्तों में संवेदनशीलता की जगह स्वार्थ ने ले ली है और भावनाओं को कमजोरी समझा जाने लगा है। जो व्यक्ति दिल से निभाने का प्रयास करता है, वही अक्सर सबसे अधिक आहत और ठगा हुआ दिखाई देता है।

जब कोई व्यक्ति किसी रिश्ते में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता है, सामने वाले की सहूलियतों का ध्यान रखता है, उसकी भावनाओं को समझने का प्रयास करता है और स्वयं को बार-बार पीछे कर लेता है, तो यह त्याग हर बार सम्मान नहीं पाता। कई बार सामने वाला इस व्यवहार को प्रेम या अपनापन नहीं, बल्कि मूर्खता मान लेता है। यहीं से रिश्तों में असंतुलन की प्रक्रिया शुरू होती है।

कुछ लोग ऐसे होते हैं जो दूसरों की भावनाओं पर टिककर अपने अहंकार को बड़ा करते हैं। वे धीरे-धीरे स्वयं को अत्यधिक महत्वपूर्ण समझने लगते हैं। उन्हें यह भ्रम हो जाता है कि वही रिश्ते का केंद्र हैं, वही निर्णय लेने वाले हैं और सामने वाला व्यक्ति उनके बिना अधूरा है। इसी मानसिकता के चलते वे अनावश्यक उपदेश देने लगते हैं, हर विषय पर अपनी राय को अंतिम सत्य घोषित करते हैं और लगातार बोलते रहने को ज्ञान का प्रमाण मान लेते हैं।

समस्या सलाह देने में नहीं है, समस्या तब पैदा होती है जब सलाह सम्मान के बजाय नियंत्रण का माध्यम बन जाए। जब संवाद बराबरी का न रहकर वर्चस्व स्थापित करने का साधन बन जाए। ऐसे लोग प्रेम, स्नेह, देखभाल और भावनाओं की भाषा नहीं समझते। वे हर रिश्ते को लाभ और हानि के तराजू पर तौलते हैं। उनके लिए रिश्ता एक साधन मात्र होता है, लक्ष्य नहीं।

ऐसे स्वभाव के लोग अक्सर इस भ्रम में जीते हैं कि सामने वाला व्यक्ति उन पर निर्भर है। उसकी विनम्रता, सहनशीलता और समझदारी उन्हें मजबूरी प्रतीत होती है। वे मान लेते हैं कि यह व्यक्ति उन्हें छोड़ नहीं सकता, उनसे प्रश्न नहीं कर सकता और उनका विरोध करने का साहस नहीं रखता। यहीं से भावनात्मक शोषण की प्रक्रिया शुरू होती है, जो धीरे-धीरे सामान्य व्यवहार का रूप ले लेती है।

परंतु हर सहनशीलता की एक सीमा होती है। जब सामने वाला व्यक्ति सजग होता है, आत्मचिंतन करता है और यह समझने लगता है कि उसका अस्तित्व केवल उपयोग की वस्तु बनकर रह गया है, तब वह स्वयं को बचाने का प्रयास करता है। यही क्षण स्वार्थी व्यक्ति को सबसे अधिक असहज करता है, क्योंकि अब उसका नियंत्रण खतरे में पड़ जाता है।

जैसे ही वह देखता है कि दूसरा व्यक्ति सवाल पूछने लगा है, अपनी बात रखने लगा है या मानसिक दूरी बना रहा है, वैसे ही वह नया तरीका अपनाता है–आरोप लगाने का। अब वही व्यक्ति, जो स्वयं को अत्यंत समझदार और ज्ञानी बताता था, चरित्र पर आक्षेप लगाने लगता है। वह बाहरी लोगों के सामने रिश्ते की कहानी को अपने पक्ष में इस तरह प्रस्तुत करता है कि स्वयं को पीड़ित और सामने वाले को दोषी सिद्ध किया जा सके।

यहीं से रिश्ते का स्वरूप पूरी तरह बदल जाता है। संवाद का स्थान आरोप ले लेते हैं। समझ और धैर्य की जगह कटुता और वैमनस्य आ जाता है। हर बातचीत में यह सुनने को मिलता है– ÷तुम बदल गए हो÷, ÷पहले ऐसे नहीं थे÷, ÷अब तुम घमंडी हो गए हो÷। वास्तविकता यह होती है कि यह परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मबोध होता है, जिसे स्वार्थी व्यक्ति स्वीकार नहीं कर पाता।

धीरे-धीरे रिश्ते कुरुक्षेत्र के मैदान में बदल जाते हैं, जहाँ उद्देश्य समाधान नहीं, बल्कि जीत हासिल करना होता है। एक पक्ष चुप रहकर स्वयं को बचाने का प्रयास करता है, जबकि दूसरा पक्ष शोर मचाकर सहानुभूति बटोरने में लगा रहता है। ऐसे लोग सहानुभूति अर्जित करने में अत्यंत कुशल होते हैं। वे अपनी बात को इस प्रकार गढ़ते हैं कि सुनने वाला सहज ही उनके पक्ष में खड़ा हो जाता है।

इन परिस्थितियों में सामान्य, संवेदनशील और नैतिक व्यक्ति सबसे अधिक मानसिक पीड़ा झेलता है। वह जानता है कि हर आरोप का उत्तर देना संभव नहीं है। हर झूठ को सार्वजनिक रूप से काटना उसके स्वभाव और संस्कारों के विरुद्ध है। परिणामस्वरूप वह मौन को अपना हथियार बनाता है, किंतु यही मौन कई बार उसकी कमजोरी समझ लिया जाता है।

यहाँ यह प्रश्न स्वाभाविक है कि गलती किसकी है? क्या संवेदनशील होना अपराध है? क्या रिश्तों में त्याग करना मूर्खता है? उत्तर स्पष्ट है–नहीं। गलती संवेदनशीलता में नहीं, बल्कि असंतुलन में है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब रिश्ते एकतरफा हो जाते हैं, जब देने वाला ही देता रह जाता है और पाने वाला केवल लेता रहता है।

इसी कारण रिश्तों की शुरुआत में ही संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। प्रेम, मित्रता या सहयोग–किसी भी संबंध में स्वयं को पूरी तरह खो देना विवेकपूर्ण नहीं है। दूसरे को प्रसन्न रखने के लिए अपनी सीमाओं को बार-बार तोड़ना अंततः आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुँचाता है।

आत्ममूल्यांकन प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य है। हमें स्वयं से यह पूछना चाहिए कि क्या यह रिश्ता हमें मानसिक शांति दे रहा है या केवल थकान और पीड़ा? क्या हमारी बातों को सुना जा रहा है या केवल सहन किया जा रहा है? क्या हमारी भावनाओं का सम्मान है या केवल उनका उपयोग किया जा रहा है? यदि इन प्रश्नों के उत्तर नकारात्मक हैं, तो वहाँ रुक जाना ही सबसे बड़ी भूल है। ऐसे में स्वयं को दोषी ठहराने के बजाय ख़ामोशी से दूरी बना लेना अधिक समझदारी भरा निर्णय होता है। दूरी हमेशा द्वेष का प्रतीक नहीं होती, कई बार यह आत्मरक्षा का सबसे सशक्त उपाय होती है।

समाज को भी यह समझने की आवश्यकता है कि हर कहानी के दो पक्ष होते हैं। जो व्यक्ति सबसे अधिक बोलता है, वही हमेशा सत्य बोल रहा हो, यह आवश्यक नहीं। और जो मौन है, वह दोषी हो–यह भी अनिवार्य नहीं।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

सुबह 4 बजे से आरटीओ ने स्लीपर बसों की जांच कर नियम विरूद्ध चल रही स्लीपर बसों पर की कार्यवाही

जांच कार्यवाही में 7 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर 58 हजार रुपए शमन शुल्क वसूला

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार परिवहन विभाग द्वारा लगातार जांच कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान एवं उनके दल द्वारा स्लीपर यात्री बसों में सुरक्षा मानकों की जाँच के लिये विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच कार्यवाही में जिला परिवहन अधिकारी द्वारा शनिवार अलसुबह 04 बजे से ही देवास शहर के मक्सी रोड़ पर स्लीपर कोच यात्री बसों को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान शासन द्वारा स्लीपर बसों के लिये निर्धारित किये गये मापदण्डों की जाँच की गई।

परिवहन अधिकारी द्वारा सख्ती से स्लीपर बसों पर कार्यवाही करते हुए बसों में अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन द्वार, पार्टीशन गेट, स्लाईडर, पैनिक बटन इत्यादित की जाँच की गई। इस दौरान जिन वाहनों में चालक सीट के पीछे पार्टीशन गेट पाया गया उन्हें तत्काल मौके पर निकलवाया गया। साथ ही शासन द्वारा दिये गये निर्देशों का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के संबंध में संबंधितों को निर्देशित किया गया। सुबह 4 बजे से लगातार कार्यवाही 5 घंटे तक चलती रही। कुछ समय अन्तराल पश्चात् पुनः परिवहन विभाग का अमला शहर के मार्गो पर चैकिंग के लिये उतर आया। इस बार भी पहले की तरह ही परिवहन विभाग के दल द्वारा सख्ती से यात्री बसों विशेषकर स्लीपर बसों की जाँच की जाकर सुरक्षा मानकों को चैक किया गया तथा चालानी कार्यवाही भी की गई। दिन भर चली चैकिंग कार्यवाही में कुल 55 यात्री बसों को चैक किया गया, इनमें से 3 वाहनों में तत्काल मौके पर पार्टीशन गेट निकलावाए गए साथ ही अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों को पूर्ण किये जाने हेतु सख्ती से निर्देशित किया गया। जांच कार्यवाही में 07 वाहनों पर चालानी कार्यवाही भी की गई, जिससे 58 हजार रुपए शमन शुल्क वसूल किया गया। वाहनों की जॉच किये जाने के उपरान्त जिन वाहनों में कमियाँ पाई गई उन्हें परिवहन अधिकारी द्वारा शीघ्र ही उपरोक्त कमियाँ पूर्ण कर वाहन भौतिक सत्यापन के लिये परिवहन कार्यालय में प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

परिवहन कार्यालय द्वारा स्लीपर यात्री बसों के स्वामियों को शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मापदण्ड पूर्ण किये जाने हेतु नोटिस जारी किये गये हैं, निर्धारित समय सीमा में सुरक्षा मापदण्ड पूर्ण नहीं करने की स्थिति में परिवहन कार्यालय द्वारा फिटनेस निरस्ती के साथ ही अन्य आवश्यक कार्यवाही भी की जावेगी। आज की गई कार्यवाही में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान, परिवहन उप-निरीक्षक श्रीमती मीनाक्षी गोखले, जसवंत सिंह दौहरे, सरफराज खान, निलेश साल्वे, बाबुलाल देवड़ा, शाकिर खान भगतसिंह भलावी शामिल थे।

जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि वाहनों की चैकिंग निरन्तर जारी रहेगी, जिसमें नियमित विरूद्ध संचालित वाहनों के विरूद्ध चालानी / जप्ती संबंधी कार्यवाही की जाएगी।

अवैध मदिरा संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्यवाही कर 5 प्रकरण दर्ज किए

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग द्वारा वृत्त बागली क्षेत्र में कार्यवाही कर 32 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 600 किलो ग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया । कार्यवाही में 05 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत दर्ज किए गए है,जप्त सामग्री का मूल्य लगभग 66400 रुपये है। कार्यावाही में आबकारी उपनिरीक प्रेम यादव आबकारी आरक्षक राजेश जोशी,सुरेंद्र एवं गीतेश सम्मिलित रहे, इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

उद्योगों द्वारा क्षेत्र के जरूरतमंदों की मदद सराहनीय-अपर कलेक्टर सोलंकी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज में बहुत से लोग ऐसे है जिन सबकी मदद करना सरकार के द्वारा चाहकर भी सम्भव नहीँ हो पाता । समाज में सकारात्मक बदलाव सरकारी प्रयासों के साथ समाजसेवियों और सक्षम लोगों की सामुहिक भागीदारी से ही सम्भव है ऐसे में उद्योगों द्वारा अपने सीएसआर फंड से किये जाने वाले काम सराहनीय है ये बात अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी ने कही । सोलंकी,नवीन फ्लोरिन उद्योग द्वारा ग्राम छापरी के सरकारी स्कूल के बच्चों को कंप्यूटर और स्वेटर वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में बोल रहे थे। शिप्रा संकुल के ग्राम छापरी के सरकारी स्कूल में नवीन फ्लोरिन उद्योग के सौजन्य से तथा सामाजिक संस्था एक्ट ईव फाउंडेशन के समन्वय से ये कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें स्कूल में बच्चों के लिए एक कम्प्यूटर तथा 65 स्वेटर का वितरण किया गया जिन्हें पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। नवीन फ्लोरिन के अतुल मौर्य तथा एक्ट ईव फाउंडेशन के मोहन वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में नवीन फ्लोरिन के संजीव सेठ (हेड इंजीनियरिंग एंड प्रोजेक्ट्स) अनामिका सिंह (डिप्टी मैनेजर प्रोजेक्ट मैनेजमेंट) भी अतिथि रूप में उपस्थित थे जिन्होंने कहा कि सीएसआर फंड से मदद हमारा सामाजिक दायित्व है जो हम निभाते रहेंगे।एक्ट ईव फाउंडेशन के मोहन वर्मा ने कहा विगत दस बरसों से हम उद्योगों,समाजसेवियों,बैकों की मदद से सरकारी खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में फ़र्नीचर, कंप्यूटर, आरओ, सेनेटरी पैड मशीने,और अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध करवाने के मिशन में सक्रिय हैं।

उत्कृष्ट विद्यालय अमरवाड़ा में ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय अमरवाड़ा में ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के अंतर्गत आज कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन चरित्र पर विविध घटनाओं का उल्लेख किया गया। स्वामी विवेकानन्द जी के संदर्भ में विविध आगन्तुकों द्वारा व्याख्यान दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री उत्तम ठाकुर, श्री शैलेन्द्र पटेल, जनभागीदारी समिति शासकीय महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री प्रदीप पप्पू साहू, पूर्व अध्यक्ष जनभागीदारी समिति और पूर्व पार्षद श्री सतीश सन्तु साहू, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला मसराम, मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन, संकुल प्राचार्य श्री के.एल.धुर्वे, पशु चिकित्सालय से श्री अमन कौरव, जिला स्पोर्ट्स शिक्षक श्री कुंजबिहारी वर्मा, श्री गजेंद्र सिंह सिसोदिया, विकासखण्ड समन्वयक सुश्री वन्दना राकेसिया, परामर्शदाता श्री राजेश तिवारी, श्री भुनेश्वर सूर्यवंशी, सुश्री बैजन्ती पवार, डॉ.आर.के. मालवीय, एडवोकेट श्री सूरसिंग वर्मा, श्री नीलेश, श्री सुदेश नागवंशी, श्री जयकुमार साइलवार सहित नवांकुर समितियों, प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी एवं सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थियों की प्रमुख उपस्थिति रही।

सभी अतिथियों द्वारा शासन की योजनाओं को अभियान के अंतर्गत कैसे किया जाना है मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में श्री उत्तम ठाकुर ने ग्राम विकास में हमारी भूमिका पर व्याख्यान दिया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति तक शासन की योजना पहुंचे ये सभी समाजसेवी का कर्तव्य है एवं सभी इसमें अपना योगदान दें। जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन द्वारा सम्पूर्ण आयोजन की प्रमुख रूपरेखा विस्तार से बताई गई, जिसमें प्रमुख रूप से शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, जल संरक्षण अभियान आदि पर प्रकाश डाला गया। सक्रिय विद्यार्थियों और वायलेंटियर्स को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन का संचालन मेंटर श्री राजेश तिवारी ने किया और आभार प्रदर्शन सुश्री वन्दना राकेसिया ने किया।

नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, देवास में हर्षोल्लास और भावनाओं के संग मनाया गया दादा-दादी एवं नाना-नानी दिवस

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, देवास में दादा-दादी एवं नाना-नानी दिवस बड़े ही उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर नर्सरी से कक्षा 2 तक के विद्यार्थियों के दादा-दादी एवं नाना-नानी ने अत्यंत जोश और आनंद के साथ सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य दादा-दादी एवं नाना-नानी के प्रति सम्मान प्रकट करना तथा उनके और पोते-पोतियों के बीच के स्नेह, प्रेम और भावनात्मक रिश्ते को और अधिक मजबूत बनाना था। विद्यालय परिसर खुशियों, मुस्कान और आत्मीयता से सराबोर नजर आया।

नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए तथा एक लघु नाटिका के माध्यम से दादा-दादी एवं नाना-नानी और बच्चों के बीच के अटूट रिश्ते को सुंदर ढंग से दर्शाया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थित जनों का दिल जीत लिया और वातावरण को भावनात्मक बना दिया। कार्यक्रम की विशेष झलक तब देखने को मिली जब दादा-दादी एवं नाना-नानी अपने नन्हे राजकुमारों और राजकुमारियों के साथ मंच पर थिरकते नजर आए। यह अवसर भावनाओं और उत्सव का एक अद्भुत संगम बन गया। इस अवसर पर दादा-दादी एवं नाना-नानी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नारायणा ग्रुप ऑफ स्कूल्स, देवास की यह पहल अत्यंत सराहनीय है, जो पीढ़ियों के बीच के रिश्तों को और अधिक जीवंत, भावनात्मक और सुदृढ़ बनाती है।

इस गरिमामय अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य पी.जे.थॉमस, राज्य समन्वयक शक्ति त्रिवेदी, उप-प्राचार्य (ई-चैम्प्स सेगमेंट) अमृता अवस्थी तथा उप-प्राचार्य (ई-किड्स सेगमेंट) साक्षी पाठक की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और विद्यालय के इस प्रयास की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन आनंद, उल्लास और यादगार पलों के साथ हुआ। नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, देवास में आयोजित यह दादा-दादी एवं नाना-नानी दिवस समारोह वास्तव में एक भव्य और सफल आयोजन रहा, जहां भावनाएं और उत्सव एक साथ जुड़े।

शंकरगढ़ हिल्स पर अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन परिक्षेत्र देवास अंतर्गत शंकरगढ़ पहाड़ी पर 17 जनवरी को स्कूली विद्यार्थियों को वन वन्यप्राणी एवं पर्यावरण की सुरक्षा एवं उनके प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से अनुभूति का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अमित कुमार वनमण्डलाधिकारी देवास, विकास माहोरे उपवनमंडलाधिकारी देवास, राजेश चौहान वनपरीक्षेत्राधिकार देवास, बी जे पी अध्यक्ष राय सिंह सेंधव, वन परिक्षेत्र देवास का पूरा वन स्टाफ उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1, चिमना बाई हाई सेकेंडरी स्कूल एवं सरस्वती ज्ञान पीठ स्कूल के कुल 120 छात्र-छात्राएं और उनके साथ में उनके शिक्षक गण उपस्थित रहे । उपस्थित छात्र-छात्राओं को टोपी टी-शर्ट एवं अनुभूति किट प्रदान की गई। उप वनमण्डल अधिकारी द्वारा फूड चैन, जल संरक्षण कैसे करें एवं पेड़ पौधों के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को सरल शब्दों में बताया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अनुभूति प्रेरक पी एन तिवारी एवं कृष्णा यादव द्वारा इस बदलते प्रवेश में हम हैं धरती के दूत थीम के तहत जल संरक्षण प्रकृति संरक्षण प्रकृति का महत्व जानकारी प्रदान की गई साथ ही अनुभूति कैंप में विद्यार्थियों द्वारा प्रकृति की पाठशाला में पेड़ पौधे औषधीय पौधे, पक्षी, तितलियां, सर्प प्रजाति, हिरण, मृग, मधुमक्खियां, दीमक और जल संरक्षण की जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आयुषी पिता सुरेंद्र कक्षा ग्यारहवीं सरस्वती ज्ञानपीठ स्कूल, द्वितीय स्थान निशा पंवार कक्षा दसवीं चिमनाबाई स्कूल एवं तृतीय स्थान प्रीति लक्षाकार कक्षा ग्यारहवीं सरस्वती ज्ञानपीठ स्कूल ने प्राप्त किया। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं शील्ड जिला अध्यक्ष एवं वन मंडल अधिकारी देवास द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम सफल होने पर वनपाल श्याम शर्मा ने सभी उपस्थित गणमान्य अधिकारियों और उपस्थित सभी कर्मचारीयो का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में वनपाल श्याम शर्मा, राजेश शर्मा, कैलाश वाघ,उपवनक्षेत्रपाल राकेश मोदी, वनरक्षक विजय चौधरी, रवि प्रकाश तिवारी, कृष्ण यादव,सपना उईके, सतीश शर्मा,ज्योति कर्मा,नेहा शर्मा, दीपाली लश्करी, सचिन मंडलोई अंकित मंडलोई एवं उपस्थित वन कर्मचारी का विशेष योगदान रहा।

जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा संपन्न, दूसरे दिन दो हजार विद्यार्थी हुये शामिल

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों में शासकीय स्कूलों के कक्षा 2 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो दिनों की जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा आज शनिवार को संपन्न हुई। ओलंपियाड परीक्षा में पहले दिन 1 हजार 616 विद्यार्थियों ने सहभागिता की थी, वहीं आज दूसरे दिन शनिवार को 2 हजार 20 विद्यार्थी इसमें शामिल हुये। जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में शामिल हुये सभी छात्र-छात्राओं को राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये। ओलंपियाड परीक्षा कक्षा 2 एवं 3 के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी, गणित एवं अंग्रेजी, कक्षा 4 एवं 5 के विद्यार्थियों के लिए हिंदी, गणित, अंग्रेजी एवं पर्यावरण तथा कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी, संस्कृत, गणित, सामाजिक विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों पर आधारित थी। जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा ने बताया कि दूसरे दिन शनिवार को शेष विषयों की परीक्षायें आयोजित की गईं। उन्होंने बताया ओलंपियाड परीक्षा के आयोजन का उद्देश्य शासकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं में चिंतन, तार्किक क्षमता, सामाजिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है।

जिले में संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा

नरसिहंपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाने के लिये जिले में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिये अभियान 4 चरणों में चलाया जा रहा है। अभियान में ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों में वार्ड स्तरीय समिति और आवेदन/ शिकायतों के एकत्रीकरण के लिए दल गठित किया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही सी.एम. हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से संपादित की जायेगी।

अभियान का प्रथम चरण- संकल्प एवं समाधान अभियान का प्रथम चरण 12 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक चलाया जा रहा है। इसमें आवेदन प्राप्त करने की कार्यवाही की जावेगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत/नगरीय निकायों के वार्ड में नगरीय वार्ड स्तरीय समिति बनाई गई है, जिसमें ग्राम/ नगरीय वार्ड स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मिलित किया गया है। पंचायत- नगरीय वार्ड स्तर पर आवेदन- शिकायतों के एकत्रीकरण के लिए दल गठित किया गया है। यह दल शासन की विभिन्न योजनाओं/ सेवाओं से संबंधित आवेदनों को घर-घर जाकर एकत्रित कर रह रहे हैं। नियुक्त नोडल अधिकारी अपने लॉगिन से सभी आवेदनों को पोर्टल पर दर्ज कर रहे हैं।

अभियान का दूसरा चरण- अभियान का दूसरा चरण 16 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 16 मार्च 2026 तक चलाया जा रहा जाएगा। द्वितीय चरण में प्रथम चरण में प्राप्त आवेदन के साथ शेष आवेदन पत्रों के निराकरण के लिये शिविर लगाए जाएंगे। क्लस्टर में पंचायतों की संख्या का निर्धारिण संबंधित कर जिले में स्थित पंचायतों की संख्या के हिसाब से आवश्यकतानुसार ग्राम पंचायतों का समूह में निर्धारित किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में नगरपालिका/ नगर पंचायत स्तर पर शिविर का आयोजन किया जाएगा। गठित टीम द्वारा प्राप्त आवेदन/ शिकायतों का निराकरण क्लस्टर/ जोन लेवल पर आयोजित शिविर में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। आवेदनों का निराकरण पोर्टल पर क्लस्टर/ जोन लेवल के नोडल अधिकारी द्वारा दर्ज किया जाएगा।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता सम्पन्न

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला निर्वाचन कार्यालय की स्वीप शाखा द्वारा मतादाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से श्रीराम कॉलेज में आयोजित की गई दो दिनों की जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आज शनिवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में जिले के 21 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के लगभग 250 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के दूसरे दिन फाइनल में पहुँचे जी एस कॉलेज, श्रीराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, शासकीय जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, ज्ञान गंगा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, सेंट अलायसियस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर के विद्यार्थियों द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुतियों के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं संशोधन के लिये निर्धारित फार्म में दावा-आपत्ति दर्ज कराने रजैसे विषयों पर जनमानस को जागरूक करने का प्रयास किया गया। जिला स्वीप समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने प्ररियोगिता के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अवधि के दौरान मतदाता जागरूकता को व्यापक स्तर पर पहुँचाने के लिए नुक्कड़ नाटक जैसे प्रभावी माध्यम को चुना गया। प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि विवेकानंद प्रकोष्ठ के संभागीय समन्वयक डॉ अरुण शुक्ल ने कहा कि नुक्कड़ नाटक ऐसा सशक्त माध्यम है जो सीधे जनमानस से संवाद करता है और आज भी उतना ही प्रभावी है। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के आयोजन से विद्यार्थियों में मतदाता चेतना और अधिक सुदृढ़ होगी तथा वे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रभावी संवाहक बनेंगे। जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के निर्णायक आदेश कुमार सिंह, संतोष राजपूत एवं संजय पांडे थे। प्रतियोगिता में श्री राम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट ने प्रथम, जीएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने द्वितीय एवं शासकीय विज्ञान महाविद्यालय ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। इसी प्रकार शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, ज्ञान गंगा इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज तथा सेंट अलायसियस टेक्नोलॉजी महाविद्यालय गौर को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये गये।

सांसद श्री साहू द्वारा जैविक हाट-बाजार का किया गया भ्रमण, किसानों से खरीदी जैविक सब्जियां

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के अनुरूप जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 13 दिसंबर 2025 से प्रत्येक शनिवार को गुरैया सब्जी मंडी परिसर में जैविक हाट-बाजार का आयोजन किया जा रहा है। इस हाट-बाजार में जिले के 30 से अधिक प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले कृषकों द्वारा जैविक सब्जियां एवं अन्य उत्पाद विक्रय हेतु लाए जा रहे हैं, जिन्हें शहरवासियों द्वारा अच्छे मूल्य पर उत्साहपूर्वक खरीदा जा रहा है। इससे किसानों में जैविक खेती के प्रति निरंतर रुचि बढ़ रही है।

आज छिंदवाड़ा सांसद श्री विवेक बंटी साहू द्वारा जैविक हाट-बाजार का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने किसानों से मटर , टमाटर, धनिया, हरी सब्जियां, जैविक हल्दी सहित अन्य जैविक उत्पादों की खरीदी की।

ग्रामोदय से अभ्युदय अभियानः कुंडेश्वर धाम में विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान के अंतर्गत विकासखंड कुंडेश्वर धाम (कुण्डम) में विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महाविद्यालय कुण्डम में किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण हेतु सकारात्मक वातावरण का सृजन करना है। अभियान के तहत जन अभियान परिषद् द्वारा मैदानी स्तर पर प्रदेश सरकार के अन्य विभागों के समन्वय से ग्रामों में ग्रामोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसमें ग्राम चौपाल, ग्राम रैली, सामूहिक श्रमदान और परिवार सम्पर्क जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वावलंबन, स्वदेशी, नागरिक सेवा, शिक्षा, संस्कार, नशामुक्त समाज और गौ-संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी की आजीवन प्रचारक सुश्री माया दीदी, जन अभियान परिषद् के सम्भाग समन्वयक श्री रवि बर्मन, ग्राम पंचायत कुंडेश्वर धाम की सरपंच श्रीमती अर्चना साहू अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री संतोष वरकड़े ने भी कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये अपनी शुभकामनाएं प्रेषित । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुश्री माया दीदी ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन के प्रेरक प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। वहीं, श्री सचिन ने स्वदेशी से स्वावलंबन विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। संभाग समन्वयक श्री रवि बर्मन ने ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह अभियान 12 जनवरी से 26 जनवरी तक प्रदेश के समस्त विकासखंडों व चिन्हित ग्रामों में चलाया जा रहा है। ग्राम उत्सव के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा और ग्रामीण प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

आलोट नगर में भव्य हिंदू सम्मेलन की तैयारियों शुरू

सम्मेलन के निम्मित नगर बैठक का आयोजन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजाधिराज अनादिकल्पेश्वर महादेव की नगरी आलोट नगर में संघ शताब्दी वर्ष के निम्मित 25 जनवरी को माधव, मधुकर बस्ती का भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजित करने को लेकर तैयारियां जोर शोर से प्रारंभ। सर्व समाज के हिन्दुओं को आमंत्रित कर एक वृहद बैठक स्थानीय स्वर्णकार समाज की धर्मशाला में आयोजित की गई । बैठक का संचालन जिला सह कार्यवाह विनोद पाटीदार के आतिथ्य में सम्पन्न हुई। जिसमें हिन्दू सम्मेलन को लेकर रूपरेखा तय की गई एवं दायित्व दिए गए।

तय कार्यक्रम के अनुसार 25 जनवरी रविवार को प्रातः 10 बजे शीतलामाता मंदिर से भव्य चल समारोह निकाला जाएगा जो प्रमुख मार्गो से होता हुआ कार्यक्रम स्थल विक्रमकलब मैदान पहुंचेगा । चल समारोह में संत समाज अगवानी करेगा। चल समारोह के पश्चात् भव्य हिन्दू सम्मेलन होगा जिसमें संत समाज का आशीर्वचन एवं वरिष्ठ वक्ता का बौद्धिक होगा। बैठक में जिला सह कार्यवाह विनोद पाटीदार ने बताया कि समाज में एकता, समरसता और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के संकल्प को लेकर हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। बैठक के दौरान कार्य व्यवस्था को लेकर कार्यक्रम की भव्यता को लेकर सकल हिंदू समाज के युवा, वरिष्ठ एवं मातृशक्ति को विभिन्न दायित्व दिए गए। सम्मेलन के निम्मित नगर स्वैच्छिक बंद, नगर सज्जा, घर घर आग्रह, घर घर पीले चावल का वितरण, नगर को भगवमय बनाना, रंगमंचीय नाट्य प्रदर्शन, महापुरुषों की चित्र प्रदर्शनी, प्रभात फेरी, संध्या फेरी निकालना, प्रमुख मंदिरों में भव्य आरती करवाना जैसे विषयों पर विचार विर्मश किया गया एवं सम्मलेन की दिव्यता, भव्यता का संकल्प लिया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में खेलो भारत के माध्यम से होने जा रहा अंतर विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के तत्वाधाम में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में खेलो-भारत के माध्यम से दिनांक 19/01/2026 को अंशुमन हा. से स्कूल देपालपुर में बालक व बालिका वर्ग अंतर विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित होने होने जा रही है । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के नगर मंत्री शैलेंद्र चौहान ने बताया की नगर अध्यक्ष ब्रजमोहन जी व्यास के मार्गदर्शन में यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसमें खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा विद्यार्थी परिषद् सतत छात्र हित व राष्ट हित में कार्य करता है साथ ही साथ विद्यार्थी परिषद कई गतिविधि व आयाम के माध्यम से समाज के बीच कार्य करता है उसी में से खेलो-भारत है विद्यार्थी परिषद् का उद्देश्य है की भारत भी एक खेल महासत्ता बने।

ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान का विकास खण्ड स्तरीय आयोजन सम्पन्न

सीधी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग समन्वयक एवं अतिरिक्त प्रभार जिला समन्वयक श्री प्रवीण पाठक के निर्देशानुसार ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान अंतर्गत विकास खण्ड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत मझौली के प्रज्ञा भवन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास, जनभागीदारी को सशक्त करना एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन अभियान परिषद के सदस्य साशी निकाय श्री कृष्णाकान्त द्विवेदी ने की। मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी मझौली श्री आर.पी. त्रिपाठी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बीएमओ मझौली डॉ. राकेश तिवारी तथा विकास खण्ड समन्वयक श्री रजनीश मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री द्विवेदी ने ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, आजीविका एवं सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर सामूहिक प्रयासों से ही सतत ग्रामीण विकास संभव है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों, प्रस्फुटन समिति सदस्यों, सरपंचों एवं सचिवों से शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विकास खण्ड स्तर पर संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही ग्राम स्तर पर जनसहभागिता बढ़ाने, सामुदायिक संसाधनों के बेहतर उपयोग एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति के सदस्य, ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव, जन अभियान परिषद से जुड़े कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में सभी ने ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

खरगोन पुलिस ने सुने घरों में ताले चटका कर चोरी करने वाले शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस ने किया 1 शातिर आरोपी मोला अली को किया गिरफ्तार

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इंदौर (ग्रामीण) श्री अनुराग एवं पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा के द्वारा जिला खरगोन में संपत्ति संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिये गये थे । वरिष्ठ अधिकारियो से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा के द्वारा जिला खरगोन में हो रही चोरी एवं लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाकर अज्ञात आरोपियों की पतारसी व शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया था ।

प्राप्त निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन में जिला खरगोन के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य में थाना मंडलेश्वर पर सुने घर में हुई चोरी की घटना का खुलासा करने में सफलता हासिल की है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण

दिनांक 04.01.2026 को फरियादी भगवान निवासी ग्राम गुलावड ने थाना मंडलेश्वर पर सूचना दी थी कि, दिनांक 03.01.2026 को फरियादी के घर का ताला तोडकर घर में रखी गोदरेज में सोने की एक जोड झुमकी, दो मंगलसुत्र, एक जोड चाँदी की कडी, एक जोड चाँदी की पायल कोई अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गये । फरियादी की सूचना पर थाना मंडलेश्वर पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 05/2026 धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया ।

पुलिस कार्यवाही- दिनदहाड़े हुई उक्त चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी मंडलेश्वर उनि. दीपक यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर चोरी की घटना के खुलासे करने के लिए निर्देशित किया गया ।

प्राप्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया व आने जाने वाले सभी संभावित रास्तों के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गए व मुखबिरों को भी सक्रिय चोरी से जुडी जानकारी एकत्रित करने हेतु लगाया गया । परिणामस्वरूप विवेचना के दौरान पुलिस टीम को जानकारी मिली कि उक्त चोरी में ग्राम खेरवा जागिर के मोला अली का हाथ हो सकता है । प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम के द्वारा योजनाबद्ध तरीके से कडी दर कडी जोडते हुए आरोपी की जानकारी एकत्रित की गई एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर मोला अली को अभिरक्षा में लिया गया ।

पुलिस टीम के द्वारा आरोपी मोला अली को माननीय न्यायालय पेश किया गया एवं आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया आरोपी मोला अली से बारीकी व मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर उसने उक्त चोरी को अपने साथी के साथ करना स्वीकार किया । पुलिस टीम के द्वारा आरोपी आरोपी मोला अली के कब्जे से उक्त चोरी में गए सोने चांदी के आभूषणों जिसमे एक सोने की झुमकी किमती 143000 रुपये , एक सोने का मंगलसुत्र किमती 70000 रुपये , एक सोने का पेंडल किमती 37000 रुपये, एक जोड चाँदी की पायल किमती 27000 रुपये, एक चाँदी की कडी किमती 64000 रुपये, एक चाँदी की कडी किमती 63000 रुपये व एक लोहे की टामी किमती 200 रुपये कुल किमती 4,04,200/- रुपये को नियमानुसार विधिवत जप्त कर आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया है । पुलिस टीम के द्वारा आरोपी मोला अली के साथी की तलाश की जा रही है जिसे भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा । आरोपी मोला अली ने पुलिस टीम को जेल से छूटने के बाद सनावद, खंडवा, बुरहानपुर, नेपानगर, इंदौर, धार, जोबट , दाहोद, पंचमहल आदि में भी चोरी करने की जानकारी दी है जिन्हे भी मंडलेश्वर पुलिस के द्वारा सूचित किया जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपी का नाम- मोला अली पिता कालु खान बंजारा मुसलमान उम्र 23 साल निवासी ग्राम खेरवा जागिर थाना मनावर

पुलिस टीम- उक्त की गई कार्यवाही में एसडीओपी मंडलेश्वर श्रीमति श्वेता शुक्ला के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी मण्डलेश्वर उप.निरी. दीपक यादव के नेतृत्व मे उनि. प्रवीण निकुम, प्र.आऱ 820 संजय, प्र.आऱ. 544 अनिल, प्र.आऱ. 536 गुमानसिंह, प्र.आऱ. 634 दिनेश, आऱ. 287 अमित, आर. 821 अभिषेक, आऱ. 309 राजकुमार दुबे, आऱ. 871 कुंदन, आऱ. 82 पवन, आऱ. 250 शिवकुमार जामले, आऱ. 353 संजय, आऱ. 813 नरेन्द्र जाट व सायबर सेल से उनि दीपक तलवारे, प्रआर आशीष अजनारे, अभिलाष डोंगरे, सचिन चौधरी, मगन अलावा व सोनू वर्मा का विशेष योगदान रहा ।

अभाविप उज्जैन ग्रामीण द्वारा निकाली जा रही विवेकज्योति यात्रा का उन्हेल आगमन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उज्जैन ग्रामीण द्वारा निकाली जा रही तीन दिवसीय विवेकज्योति यात्रा का आज उन्हेल द्वारा आगमन हुआ ! विवेकज्योति यात्रा का शुभारंभ खाचरोद से 15 जनवरी को हुआ था यात्रा उज्जैन ग्रामीण कि सभी इकाइयों से होते हुए! उन्हेल नगर पधारी उन्हेल में कार्यक्रम का शुभारंभ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकुमार जैन यात्रा सह संयोजक मोहित गहलोत उपस्थित रहे! यात्रा सह संयोजक मोहित गहलोत द्वारा बताया गया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य स्वामीजी के विचारों को जन जन तक पहुंचना था कार्यक्रम पश्चात सभी स्कूल के विद्यार्थी के साथ विवेकज्योति यात्रा रथ नगर के प्रमुख मार्गो से निकला जहां विभिन्न स्थानों पर यात्रा का स्वागत हुआ! तथ पश्चात यात्रा बड़नगर के लिए रवाना हुई जहां पर यात्रा का समापन होना है। कार्यक्रम का संचालन नेहा गंधर्व ने किया आभार नगर मंत्री यश धाकड़ ने माना! कार्यक्रम में एबीवीपी के कार्यकर्ता साथ ही नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे!

शासकीय महाविद्यालय बिछुआ में प्रशिक्षणार्थियों का टैली प्रशिक्षण जारी

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय बिछुआ में उच्च शिक्षा विभाग की योजना क्रमांक-7581 के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं इनोवेशन एंड इन्कुबेशन सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में प्रारंभ हुआ 25 दिवसीय टैली प्रशिक्षण निरंतर जारी है। यह प्रशिक्षण प्राचार्य डॉ.आर.पी. यादव के कुशल मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है, वर्तमान समय में 90 विद्यार्थी पंजीकृत है। प्रशिक्षण जीत कंप्यूटर एजुकेशन बिछुआ की प्रशिक्षिका श्रीमती पूनम कड़वे द्वारा दिया जा रहा है।

भगवानपुरा जनपद कि ग्राम पंचायत भग्यापुर एवं करही में आंनद उत्सव मनाया गया

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को ग्राम पंचायत भग्यापुर और करही में आनंद उत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया गया। जहां सरस्वती पूजन कार्यक्रम के अध्यक्ष उपसरपंच महोदय श्री शंकरलाल मालवीया जी और मुख्य अतिथि भूतपूर्व सरपंच श्री गंगाराम बघेल ने की।

कार्यक्रम में खेल कूद में चेयर रेस में संयुक्त रूप से प्रथम श्री वाहरया डावर और शंकर लाल मालवीय जी रहे। जहां महिलाओं में प्रथम श्रीमती वंदना चौहान और द्वितीय मीरा जीजी रहे। मध्य प्रदेश शासन ने आम जनता के लिए आनंद उत्सव 14 जनवरी 2026 मकर संक्रांति से प्रारंभ किया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने बड़ी धूम मचा दी। सभी बालक बालिका और उपस्थित शिक्षक साथियों ने सामूहिक रूप से नृत्य किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री लोकेंद्र मंडलोई ने किया।खेल कूद श्री वाहरया डावर ने संपन्न कराए। श्री जनशिक्षक श्री देवडे जी, अमर सिंह मंडलोई जी, विजय मंडलोई जी, छाया सिसोदिया, वंदना चौहान, आरती साल्वे, पुष्पा गुप्ता, रेनू बघेल, प्रकाश भाई, खलील भाई, महेश भाई, राहुल भाई, गणेश मालवीया, प्रकाश चौहान समस्त स्टाफ मौजूद था उक्त जानकारी पंचायत सचिव श्री कपिल शर्मा द्वारा दीं गई।

महाभारत समागम दूसरा दिनः पांचाली सहित दुःशासन वध, उर्वशी एवं शिखंडी की प्रस्तुति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित सभ्यताओं के संघर्ष एवं औदार्य की महागाथा पर केंद्रित महाभारत समागम के दूसरे दिन श्रीलंका और पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के कलाकारों ने अपनी अपनी शैलियों में महाभारत के प्रसंग को नृत्य- नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया।

बहिरंग के मंच पर अरियारत्ने कालूराच्चि निर्देशित एके फोक आर्ट रिसर्च सेंटर कोलंबो, श्रीलंबा द्वारा संगीत नाट्य प्रस्तुति पांचाली की प्रस्तुति दी गयी। इसके पहले पूर्वरंग में कल्याण कृष्ण नायर द्वारा निर्देशित कथकली नृत्य शैली में दुःशासन वध, मणिपुर से आये टिकेन सिंह निर्देशित नृत्य नाट्य उर्वशी तथा दिल्ली के हिमांशु श्रीवास्तव के निर्देशन में तैयार हुई शिखंडी का मंचन किया गया। कार्यक्रम के पूर्व वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी द्वारा कलाकारों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

पांचाली में दर्शकों ने देखा वीरता और भावनाओं से भरा प्रसंग- बहिरंग मंच पर संगीत-नाट्य प्रस्तुति पांचाली के अंतर्गत महाभारत का एक महत्वपूर्ण और भावनात्मक प्रसंग मंचित किया गया। कथा की शुरुआत बदरिकाश्रम के शांत और रमणीय वातावरण से होती है, जहाँ पांडवों की महारानी द्रौपदी प्रकृति की सुंदरता का आनंद ले रही हैं। तभी एक अद्भुत पुष्प उनके पास बहकर आता है। उस फूल को देखकर द्रौपदी और अधिक पुष्प पाने की इच्छा प्रकट करती हैं और इस कार्य के लिए भीम को भेजती हैं।

द्रौपदी की इच्छा पूरी करने निकले भीम घने वन में प्रवेश करते हैं, जहाँ उनके भारी कदमों से भगवान हनुमान की निद्रा भंग हो जाती है। हनुमान पहले भीम का मार्ग रोकते हैं और अपनी अपार शक्ति का परिचय देते हैं। बार-बार प्रयास के बावजूद जब भीम असफल होते हैं, तब वे हनुमान की महानता स्वीकार करते हैं। इसके बाद हनुमान स्वयं को भीम का भाई बताते हैं और भविष्य में अर्जुन के रथ पर विराजमान होकर उनका साथ देने का वचन देते हैं। यह दृश्य दर्शकों के लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रहा।

जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन पर लगातार कार्यवाही जारी

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी हैं।

इसी क्रम में आज खनिज अधिकारी श्री सचिन वर्मा के निर्देशन में खनिज अमले द्वारा गुनामेंऊमरी क्षेत्र का भ्रमण के दौरान एक ट्रैक्टर ट्राली बिना नंबर चेसिस क्रमांक QATD45405000812 से बिना अनुमति के एमसैंड का अवैध भण्डारण/ विक्रय करते पाये जाने एवं एक डंपर क्रमांक MP40GA0348 द्वारा खनिज गिट्टी का ईटीपी में उल्लेखित मात्रा से अधिक खनिज का परिवहन करते पाए जाने से दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ऊमरी चौकी में खड़े कराकर अभिरक्षा में प्रदान किए गए। इन वाहन मालिकों के खिलाफ खनिज, परिवहन व भण्डारण नियमों के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है।

उक्त कार्यवाही में प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री विजय कुमार चक्रवर्ती, खनिज सिपाही श्री रामभरोसा जाटव, सैनिक श्री राजीव रघुवंशी, सैनिक श्री हाकिम सिंह रघुवंशी एवं सैनिक श्री रघुनंदन रघुवंशी, सैनिक सतीश शर्मा की कार्यवाही में बहुत सराहनीय भूमिका रही है।

नवागत मुख्य अभियन्ता जबलपुर क्षेत्र श्री गिरिया द्वारा ली गई छिन्दवाड़ा वृत्त की वितरण केन्द्रवार प्रगति की समीक्षा बैठक

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवागत मुख्य अभियन्ता (ज.क्षे.) श्री एस.के.गिरिया द्वारा आज अपने प्रथम छिंदवाड़ा आगमन पर प्रशासनिक भवन परिसर स्थित मीटिंग हॉल में छिंदवाड़ा के समस्त वितरण केंद्रों की समीक्षा बैठक ली गई।

बैठक के दौरान मुख्य अभियन्ता (ज.क्षे.) श्री गिरिया द्वारा मध्यप्रदेश शासन के मंशा अनुरूप नियमानुसार निर्बाध गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति एवं उपभोक्ता संतुष्टि को ध्यान में रखते हुये कार्य करने एवं शासन की समाधान योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि 31 जनवरी 2026 तक शत-प्रतिशत उपभोक्ताओं को योजना का लाभ सुनिश्चित रूप से प्रदान किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि समाधान योजना के अंतर्गत एक लाख रुपये से अधिक बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं से स्वयं सीधे तौर पर संपर्क कर निराकरण किया जाए एवं योजना का लाभ उपभोक्ताओं को दिलवाया जाए। समाधान योजना के अंतर्गत शीर्ष 200 पात्र उपभोक्ताओं की सूची तैयार कर संबंधित लाइनमैन के माध्यम से निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, जिससे योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त समाधान योजना के क्रियान्वयन एवं उपभोक्ताओं से प्राप्त फीडबैक का वीडियो भी तैयार किए जाने के निर्देश दिए गए।

कंपनी द्वारा दिये गये राजस्व लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाये, जिसके लिये कंपनी का प्रत्येक कर्मचारी अपने कर्तव्य का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी एवं तत्परता से करें। सभी बकायादार उपभोक्ताओं से संपर्क कर राजस्व वसूली के लिये दिये गये लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करें, जिसके लिये प्रभावी लाईन विच्छेदन एवं कुर्की आदि की कार्यवाही करें। समस्त शासकीय विभागों से संपर्क कर विद्युत बिल की बकाया राशि किसी भी परिस्थिति में जमा करायें। इसके साथ ही राजस्व वसूली की प्रतिदिन समीक्षा भी की जाये।

रिट याचिका के निर्देशों के पालन में जिले के थानों में तैनात किए गए पैरा-लीगल वॉलेंटियर्स

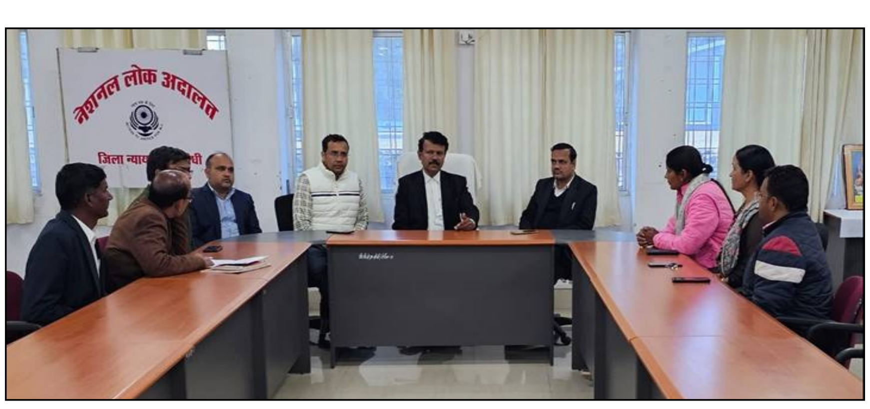

सीधी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में, माननीय सर्वोच्च न्यायालय की रिट याचिका WP (C) No. 472/2022 बचपन बचाओ आंदोलन बनाम भारत संघ के तहत गुमशुदा बच्चों के मामलों की निगरानी एवं रिपोर्टिंग हेतु जिले के समस्त थानों में पैरा-लीगल वॉलेंटियर्स (पी.एल.वी.) की तैनाती की गई है।

इस संबंध में 17 जनवरी 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के बैठक कक्ष में पी.एल.वी. को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनीष कुमार श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री सोनू जैन एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक उपस्थित रहे।द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री श्रीवास्तव ने पी.एल.वी. को निष्ठा, संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री शिवहरे ने गुमशुदा बच्चों की शीघ्र तलाश, मामलों की नियमित निगरानी एवं संबंधित थानों से समन्वय स्थापित करने पर बल दिया।

प्रशिक्षण के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सोनू जैन द्वारा नालसा की विभिन्न योजनाओं, विशेष रूप से महिला एवं बाल संरक्षण, घरेलू हिंसा, लोक अदालत, निःशुल्क विधिक सहायता एवं पीड़ित प्रतिकर योजना की जानकारी दी गई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी एवं पैरा-लीगल वॉलेंटियर्स उपस्थित रहे।

NAME CHANGE

I **AKILA IBRAHIM MOTORWALA W/O IBRAHIM MOTORWALA** HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGE MY NAME AS **AKILA MOTOR WALA W/O IBRAHIM MOTOR WALA.** SO FROM NOW AND IN FUTURE I WILL BE KNOWN BY MY NEW NAME **AKILA MOTOR WALA W/O IBRAHIM MOTOR WALA** FORALL PURPOSE.

ADDRESS :- 15, BOHARA BAKHAL MARG, ALIRAJPUR
DIST:- ALIRAJPUR (M.P.) – 457887

महिला एवं बाल विकास मंत्री द्वारा पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल तलावली में अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल तलावली में नव निर्मित अतिरिक्त कक्ष का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना भी उपस्थित रहे।

लोकार्पण उपरांत महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा कलेक्टर ने विद्यालय परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की लाइब्रेरी का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पवन ऊर्जा, टेरेस गार्डन एवं जल निष्कासन जैसी नवाचारी पद्धतियों पर आधारित मॉडलों को देखा और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। साथ ही स्मार्ट कक्षाओं का निरीक्षण कर शैक्षणिक नवाचारों की जानकारी प्राप्त की।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि शिक्षा ही समाज के सर्वांगीण विकास का आधार है। शासन द्वारा विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। अतिरिक्त कक्ष के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और उनकी प्रतिभा को निखारने में सहायता मिलेगी।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि पीएम श्री विद्यालयों के माध्यम से आधुनिक, नवाचारयुक्त एवं व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडल इस बात का प्रमाण हैं कि वे नवीन तकनीकों एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को गहराई से समझ रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच विकसित करने और शिक्षा के साथ-साथ नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार के प्रयासों की प्रशंसा की गई तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिले के कक्षा 2 से 8वीं के 3339 बच्चों की ओमआर शीट पर ओलंपियाड परीक्षा सम्पन्न

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा आयोजित ओलम्पियाड प्रतियोगिता (वर्ड पावर चैंम्पियनशिप) वर्ष 2025-26 द्वित्तीय चरण जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 16एवं 17 जनवरी 2026 को जिले के पाँच विकासखण्ड मुख्यालय पर बनाये गये पाँच परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता कक्षा 02 से 08 तक के प्रथम चरण में चयनित जिले के 3339 बच्चों के लिये आयोजित की गई। परीक्षा में जिले के 52 जनशिक्षा केन्द्रों से बच्चों को उपस्थित कराने हेतु 24 रूट बनाये गये जिन पर बस एवं छोटे वाहन लगाकर बच्चों को उनके परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचाया गया तथा परीक्षा सम्पन्न उपरान्त उन्हें वापस घर सुरक्षित पहुँचाया गया। सभी परीक्षा केन्द्रों पर बच्चें/पालक अभिभावक/शिक्षक सभी को भोजन कराया गया। परीक्षा में सम्मिलित प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। आज दिनांक 17 जनवरी 2026 को परीक्षा केन्द्र देहली पब्लिक ग्लोबल स्कूल गुना में जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष श्रीमती सारिका क्षितिज लुम्बा एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री राजेश गोयल द्वारा केन्द्र का निरीक्षण किया एवं उपस्थित बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। केन्द्र पर उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए बीआरसीसी गुना अशोक कुमार जोशी एवबीएसी मुकेश भट्ट एवं उनकी टीम की सराहना की।

सनघटा मध्यम सिंचाई परियोजना से अब 23 गांवों को मिलेगा पानी

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सनघटा मध्यम सिंचाई परियोजना शिवपुरी जिले की तहसील पिछोर के ग्राम राजोर के समीप ऐर नदी पर निर्माणाधीन है। परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन जल संसाधन विभाग भोपाल द्वारा 28 अगस्त 2020 को राशि 145.45 करोड़ रूपए सैच्य क्षेत्र 4630 हेक्टेयर की प्रदान की गई है।

परियोजना के निर्माण हेतु मेसर्स गुडविल एडवांस कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्रा.लि. कोटा से टर्नकी निविदा पद्धति पर 23 जनवरी 2023 को राशि 96.53 करोड रूपए का अनुबंध किया गया है। अनुबंध के वॉल्यूम ।। के अनुसार ÷सनघटा (९श्वत्र) सिंचाई परियोजना अंतर्गत माइक्रो/होस सिंचाई प्रणाली के लिए सूचकांक मानचित्र के अनुसार, कुल सकल कमांड क्षेत्र 5800 हेक्टेयर में से 4630 हेक्टेयर कृषि योग्य कमांड क्षेत्र को पूर्ण रूप से आच्छादित किया गया है। इस कृषि योग्य कमांड क्षेत्र के लिए कुल विद्युत आवश्यकता 1.27 मेगावाट निर्धारित की गई है। परियोजना के अंतर्गत संपूर्ण सघन एवं सतत संभावित कृषि योग्य क्षेत्र को कवर किया गया है। ष्ठ्ट में त्तष्ट की सीमा के भीतर अथवा उससे बाहर किसी भी प्रकार की वृद्धि या कमी केवल मुख्य अभियंता की लिखित स्वीकृति से ही मान्य होगी।÷ इसके परिपालन में ऐजेंसी द्वारा प्रस्तावित 1.27 मेगावाट बिजली की खपत को ध्यान में रखते हुए उच्चतम लेवल 454.00 मीटर वाले सी.सी.ए. क्षेत्र 2546 हेक्टेयर को छोड़कर उच्चतम लेवल 401.00 मीटर वाले सी.सी.ए. क्षेत्र 2577 हेक्टेयर को लिया गया है, जिससे सी.सी.ए. क्षेत्र में वृद्धि हुई है, प्रस्ताव तत्कालीन अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मण्डल ग्वालियर द्वारा अग्रेषित एवं तत्कालीन मुख्य अभियंता यमुना कछार जल संसाधन विभाग ग्वालियर द्वारा अनुमोदित है।

डी.पी.आर. के इन्डेक्स मैप अनुसार 15 ग्रामों की सिंचाई 4630 हेक्टेयर से बढ़कर अनुबंध उपरांत स्वीकृत इन्डेक्स मैप अनुसार 23 ग्रामों की सिंचाई 4677.98 हो गयी है एवं 47.98 हेक्टेयर क्षेत्र में वृद्धि हुई है, मात्र 7 ग्राम बाहर हुए हैं एवं 15 ग्राम जोड़े गए हैं। डी.पी.आर. में संलग्न इन्डेक्स मैप एवं अनुबंध उपरांत स्वीकृत इन्डेक्स मैप संलग्न है। साथ ही 22.57 मि.घ.मी. उपलब्ध जल भण्डारण में से शत प्रतिशत जल भण्डारण उपयोग हो जावेगा। वर्तमान में बांध कार्य की भौतिक प्रगति 16 प्रतिशत एवं नहर कार्य की भौतिक प्रगति 64 प्रतिशत है।

मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर के प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज एवं शासकीय विधि महाविद्यालय द्वारा एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन एवं जागरूकता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में बढ़ते आत्महत्या के मामलों की रोकथाम करना तथा शिक्षण संस्थाओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता स्थापित करना था।

कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा ने शैक्षणिक संस्थाओं में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य वातावरण निर्माण के लिए भूटान का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रसन्नता बाह्य संसाधनों पर निर्भर नहीं होती। इस दौरान डॉ. प्रियंका लेंका ने आत्महत्या से जुड़े जोखिम कारकों और चेतावनी संकेतों से संबंधित जानकारी दी। डॉ. अनीशा इज़क ने मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ एवं उपलब्ध संसाधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सरकारी स्तर पर उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, परामर्श सुविधाओं तथा सहायता संसाधनों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजकुमार साहू, डॉ. राजेन्द्र कुमार जुगादे, डॉ. कैलाश कुमार ठाकरे, डॉ. देवेंद्र कुमार वरवड़े सहित अनेक कॉलेजों के प्राचार्य, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

विकासखंड मेघनगर में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में विकास खंड मेघनगर में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करना तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा।

बैठक में सभी गर्भवती महिलाओं के अनिवार्य पंजीयन, प्रथम त्रैमास में प्राथमिकता के आधार पर एएनसी पंजीयन, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन एवं समयबद्ध उपचार, चार एएनसी जांच, नवजात शिशुओं की गृह भेंट (॥क्चह्नष्ट), गर्भवती महिलाओं की ई-केवाईसी एवं डीबीटी की समीक्षा की गई। इसके साथ ही एनसीडी स्क्रीनिंग एवं उपचार तथा टीबी स्क्रीनिंग की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृत्व वंदन योजना, मोटी आई के चयन, आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती किए जाने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए।

समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री आर.एस. बघेल, सहायक संचालक श्री अजय चौहान, डीपीएम श्री आर.आर. खन्ना, बीएमओ डॉ. विनोद नायक, सीडीपीओ श्रीमती प्रियंका बारिया सहित स्वास्थ्य विभाग के सेक्टर मेडिकल अधिकारी, सेक्टर सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, आशा सहयोगिनी, आशा कार्यकर्ता एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

संभाग आयुक्त श्री खत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर संभाग के संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री की अध्यक्षता में आज शनिवार को न्यू कलेक्ट्रेट कार्यालय दतिया के सभाकक्ष में 21 जनवरी 2026 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के संबंध में में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। संभाग आयुक्त श्री खत्री ने विभागवार कॉन्फ्रेंस में दिए गए बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्राकृतिक खेती, खाद वितरण, पराली एवं नरवाई प्रबंधन, ई-टोकन प्रणाली, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई, फसल क्लस्टर तथा ÷एक बगिया माँ के नाम÷ अभियान की स्थिति की समीक्षा की। पशु चिकित्सा विभाग की कामधेनु योजना एवं गौशाला संचालन, मत्स्य विभाग की बायो-फ्लॉक योजना, स्वास्थ्य विभाग की कुपोषण स्थिति, बाल आरोग्य कार्यक्रम, गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन, टीबी स्क्रीनिंग एवं मात्र वंदना योजना की भी समीक्षा की गई।

उन्होने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, जिला स्तरीय कौशल विकास समिति की बैठकों, पीएम आवास योजना, स्वच्छ सर्वेक्षण, अमृत योजना, पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होने शिक्षा विभाग के अंतर्गत नामांकन वृद्धि एवं ड्रॉपआउट दर में कमी, आंगनवाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के प्रवेश, पाठ्य पुस्तक वितरण, जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत वनाधिकार पट्टों, एससी-एसटी प्रकरणों तथा जिले में सुशासन के लिए किए गए कार्यों की भी समीक्षा की। संभाग आयुक्त श्री खत्री ने कृषि विभाग के अधिकारियों से खाद वितरण पर विस्तृत चर्चा करते हुए गत वर्ष की तुलना में वर्तमान खपत की जानकारी ली।

पराली जलाने के मामलों में दर्ज एफआईआर एवं लगाए गए अर्थदंड की भी जानकारी प्राप्त की। ÷एक बगिया माँ के नाम÷ अभियान में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीओ डूडा को पीएम आवास योजना में प्रगति लाने तथा निर्माणाधीन आवासों का भौतिक सत्यापन कर 20 जनवरी 2026 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

संकल्प से समाधान अभियान की निगरानी के लिए संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने संभागीय अधिकारियों को किया नियुक्त

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुशासन व स्वराज के लिए प्रतिबद्ध विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य अंतर्गत राज्य शासन के समस्त विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ ग्राम पंचायतों / नगरीय निकायों / तहसील एवं जिला स्तर पर उसके पात्र हितग्राहियों तक समय-सीमा में पहुंचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

31 मार्च, 2026 तक विशेष अभियान '' संकल्प से समाधान अभियान '' चलाकर पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, के लक्ष्य अनुरुप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने जिला स्तर से की जा रही कार्यवाहियों के पर्यवेक्षण के लिए संभागीय अधिकारियों को जिला आबंटित कर आदेश किये है। जारी आदेशानुसार उपायुक्त राजस्व इंदौर श्रीमती सपना लोवंशी को जिला धार, संयुक्त आयुक्त विकास इंदौर श्री डी.एस. रणदा को जिला झाबुआ, उपायुक्त विकास एवं उप संचालक इंदौर श्री पुरूषोत्तम पाटीदार को जिला बड़वानी, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन इंदौर श्री एस.के. सिन्हा को जिला इंदौर, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग इंदौर सुश्री संध्या व्यास को जिला खंडवा, संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग इंदौर श्री ब्रजेश पाण्ड़े को जिला खरगोन, मंडल प्रबंधक राज्य सहकारी विपणन संघ इंदौर श्री अर्पित तिवारी को जिला बुरहानपुर तथा संयुक्त संचालक उद्यानिकी विभाग इंदौर श्री डी.आर. जावट को जिला आलीराजपुर में आवंटित किया गया है। नियुक्त अधिकारी 31 मार्च, 2026 के मध्य में जिलो में जाकर हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं लक्ष्य अनुरुप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान किये जाने के संबंध में पर्यवेक्षण एवं मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करेंगे। भ्रमण पश्चात प्रत्येक 15 दिवस में विस्तृत प्रतिवेदन सम्भागायुक्त को प्रस्तुत करेंगे।

प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में स्थापित हो रहे हैं बड़े-बड़े आयाम - मंत्री श्री शुक्ला

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने कहा विभाग ने पिछले दो वर्ष में हासिल की हैं बड़ी उपलब्धियाँ

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुनियोजित एवं प्रभावी नवकरणीय ऊर्जा नीति की बदौलत मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े-बड़े आयाम स्थापित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को नवकरणीय ऊर्जा की विभिन्न परियोजनाओं के लिये ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के माध्यम से बड़े निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह प्रस्ताव धरातल पर भी आना शुरू हो गए हैं। इस आशय की जानकारी नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने दी है।

उन्होंने कहा है कि विभाग द्वारा पिछले दो वर्ष के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में निवेशक मित्र मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा नीति-2022 एवं यथा पुनरीक्षित मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा नीति-2025 लागू की गई। इस नीति के अंतर्गत प्रदेश में बायोफ्यूल (बायोमास) परियोजनाओं एवं पम्पड हाइड्रो स्टोरेज को बढ़ावा देने के लिये मध्यप्रदेश बायोफ्यूल क्रियान्वयन स्कीम-2025, मध्यप्रदेश पम्पड हाइड्रो स्टोरेज क्रियान्वयन स्कीम-2025 लागू की गई। 1045 मेगावाट क्षमता का सौर पार्क नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने बताया कि आगर-शाजापुर-नीमच सौर पार्क के अंतर्गत 1045 मेगावॉट क्षमता स्थापित (विक्रयदर का 2.33 प्रति यूनिट से 2.44 प्रति यूनिट)। विश्व की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर परियोजना के अंतर्गत 278 मेगावॉट क्षमता स्थापित की गई है, जिसकी विक्रय दर (2.21 प्रति यूनिट) है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से मिले निवेश के बड़े प्रस्ताव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में 5.64 लाख करोड़ रूपये निवेश की परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें 15,200 मेगावॉट क्षमता पम्पड हाइड्रो स्टोरेज परियोजनाओं के प्रस्ताव शामिल हैं। जिनमें 8,400 मेगावॉट क्षमता के विकास की कार्यवाही प्रारंभ हो चुकी है। इसी तरह बायोफ्यूल परियोजना अंतर्गत लगभग 8,500ञ्जक्कके प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। लगभग 2,300 ञ्जक्कके विकास की कार्यवाही प्रारंभ हो चुकी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा 90 ञ्जक्कसी.पी.जी. प्लांट स्थापित किए गए है। 7000 मेगावाट क्षमता की सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाओं पर विकास की कार्यवाही शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री कुसुम योजनाएं कुसुम-अ परियोजना का लाभ भी प्रदेश के किसानों को मिल रहा है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 1510 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाएं आवंटित की गई है, जिनमें 940 मेगावॉट पर विकास प्रारंभ हो चुका है।

दो दिवसीय सेमिनार एवं कृषक प्रशिक्षण का जिला पंचायत सीईओ ने किया शुभारंभ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी विभाग द्वारा भाऊखेड़ी के आजीविका पार्क मैं एकीकृत बागवानी मिशन के अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमिनार एवं किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि उद्यानिकी फसलों की खेती में उन्नत तकनीकों को अपनाना चाहिए। इससे न सिर्फ बेहतर उत्पादन होगा, बल्कि किसानों की आय में भी बढ़ोत्तरी होगी। कार्यक्रम में आरएके कृषि महाविद्यालय के डॉ आईएस नरुका द्वारा प्याज एवं लहसुन और उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों को अश्वगंधा की खेती के लाभों के बारे में बताया गया और अश्वगंधा की खेती के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर अमित शर्मा, श्री दीपक कुशवाहा, एनआरएलएम के डीपीएम श्री दिनेश बरफा, श्री राजमोहन पंथी, सहायक संचालक श्री जगदीश सिंह मुजाल्दा सहित अन्य अधिकारी एवं किसान उपस्थित थे।

ग्वालियर मेले में सजी पत्थर शिल्प परंपरा बनी सैलानियों के आकर्षण का केन्द्र

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेजान पत्थर को आकार देकर उपयोगी और कलात्मक रूप देकर जीवंत बनाना भारतीय शिल्प परंपरा की अनूठी पहचान रही है। सदियों से यह हुनर पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता आया है। शिल्पकारों को अपनी कला दिखाने तथा आजीविका अर्जित करने का सबसे सशक्त मंच सदैव से भारतीय मेले रहे हैं।

इसी परंपरा को श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला जीवंत बनाए हुए है। मेले में सजा देशज शिल्प सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इस वर्ष ग्वालियर मेले में पत्थर शिल्प की दुकानों ने भी खास पहचान बनाई है। छत्री क्रमांक 19 एवं 20 के मध्य शिल्पकार विनय कुमार द्वारा लगाई गई पत्थर शिल्प की दुकान सैलानियों को विशेष रूप से भा रही है। पत्थर से गढ़ी गई घरेलू उपयोग की वस्तुओं से लेकर आकर्षक सजावटी सामान दूर से ही सैलानियों को अपनी ओर खींच लेते हैं। पत्थर से गढ़े गए इन शिल्प नमूनों की खरीदारी सैलानी उत्साहपूर्वक कर रहे हैं। पत्थर शिल्पी विनय कुमार बताते हैं कि उनका परिवार लगभग आधी शताब्दी से ग्वालियर मेले में अपनी दुकान लगाता आ रहा है। यह उनका पुस्तैनी व्यवसाय और विरासत में मिला हुनर है। पहले उनके पिता श्री संजीत आदिवासी रिश्तेदारों के साथ मिलकर यह कार्य करते थे और अब वही परंपरा हम आगे बढ़ा रहे हैं। विनय कुमार गौंड जनजाति से ताल्लुक रखते हैं। विनय कुमार के अनुसार उनके पूर्वज पहले कानपुर और फिर आगरा में आकर बसे थे। राजस्थान की खदानों से निकला मार्बल तथा ग्वालियर-चंबल अंचल के सफेद और बलुआ पत्थर को तराशकर विनय कुमार का परिवार एक से बढ़कर एक शिल्प नमूने तैयार करता है। देवी-देवताओं की छोटी-छोटी आकर्षक मूर्तियाँ, मार्बल से बने पहलवानों के पसंदीदा बादाम पीसने के कुण्डे, इलायची, लौंग व अन्य मसाले कूटने के खलबत्ते, सुरमा व दवाइयों के लिए नावनुमा खलबत्ते तथा बच्चों-बड़ों के लिए कलात्मक चकला-बेलन उनकी दुकान की खास पहचान हैं। इसके अतिरिक्त सफेद पत्थर से बनी आटा, दलिया और बेसन पीसने की चक्कियाँ भी उपलब्ध हैं। मार्बल पत्थर को मोर, फूल-पत्ते और कलश का रूप देकर तैयार की गई रंगीन घड़ियाँ भी सैलानियों का ध्यान खींच रही हैं। सैलानी इन शिल्प नमूनों को स्मृति के रूप में अपने घर ले जा रहे हैं। विनय कुमार बताते हैं कि ग्वालियर मेले में उनकी दुकान से प्रतिवर्ष औसतन 5 से 6 लाख रुपये की बिक्री हो जाती है। वे कहते हैं कि मेलों ने ही उनके परिवार के हुनर को जीवित रखा है। ग्वालियर मेले के साथ-साथ देश के अन्य मेलों में दुकान लगाकर ही उनके परिवार की आजीविका चलती है।

लोकभवन 25 से 27 जनवरी तक आमजन के लिए खुलेगा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस के अवसर पर लोकभवन को तीन दिनों के लिए आम नागरिकों के भ्रमण हेतु खोला जा रहा है। नागरिकों के भ्रमण के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। आमजनों के लिए चित्र प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आमजन को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ना तथा गणतंत्र दिवस के महत्व को और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि नागरिक 25 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक निर्धारित समय में लोकभवन का अवलोकन कर सकेंगे। 25 जनवरी और 27 जनवरी 2026 को लोकभवन अपरान्ह 2 बजे से सायं 8 बजे तक खुला रहेगा। वहीं 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस को लोकभवन भ्रमण प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक ही किया जा सकेगा। आम नागरिकों के लिए लोकभवन में प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था गेट क्रमांक- 1 से ही सुनिश्चित की गई है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

आईआरसी मानकों के मुताबिक बदलेगा उज्जैन का ट्रैफिक सिस्टम

प्रशासन एक्शन मोड में, प्रमुख चौराहों के ले-आउट से लेकर सड़क चौड़ीकरण तक होगा बड़े पैमाने पर सुधार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक आस्था और पर्यटन की राजधानी बन चुके उज्जैन शहर के भविष्य को व्यवस्थित करने के लिए प्रशासन अब पूरी गंभीरता के साथ आगे बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजनों को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख चौराहों को वैज्ञानिक पद्धति से विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए इंडियन रोड कांग्रेस (आईआरसी) के मानकों और गाइडलाइन का पालन अनिवार्य किया गया है।

हाल ही में सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागृह में आयोजित बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शहर की सड़कों और चौराहों के आधुनिकीकरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में नए मार्गों और इंटरसेक्शन का निर्माण केवल सौंदर्यकरण के उद्देश्य से नहीं, बल्कि यातायात के दबाव, सुरक्षा और सुगमता को ध्यान में रखकर किया जाए।

बैठक में प्रभारी नगर निगम आयुक्त संतोष टैगोर, यूडीए सीईओ संदीप सोनी, लोक निर्माण विभाग और एमपीआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

चौराहों की डिजाइन ट्रैफिक पैटर्न के हिसाब से- कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर चौराहे की डिजाइन इस तरह तैयार की जाए कि ट्रैफिक का मूवमेंट निर्बाध रहे और जाम की स्थिति न बने। इसके लिए सभी निर्माण एजेंसियों को आपसी समन्वय से कार्य करने को कहा गया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सड़कों की चौड़ाई, टर्निंग रेडियस, साइनेज, रोड सेफ्टी फीचर्स और क्रॉस सेक्शन आईआरसी मानकों के अनुरूप ही तय हों।

तीन विभाग करेंगे लेआउट तैयार - कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों की सामग्री और इंजीनियरिंग गुणवत्ता पर कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने नगर निगम, उज्जैन विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग को मिलकर चौराहों का अंतिम ले-आउट तैयार करने के निर्देश दिए।

इस कारण जरूरी चौराहों का वैज्ञानिक विकास

शहर में हर साल बढ़ रहा वाहन दबाव

2028 के सिंहस्थ को ध्यान में रखकर पूर्व तैयारी

असंगठित चौराहों के कारण बार-बार ट्रैफिक जाम

सुरक्षा मानक और टर्निंग रेडियस तय करने की जरूरत

आईआरसी मानक अपनाने से दुर्घटना कम और यातायात सुगम बनाना

ओपीडी से लेकर पर्ची काउंटर तक चरक अस्पताल में मरीजों की भीड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक अस्पताल में ओपीडी से लेकर पर्ची काउंटर तक भीड़ लगी रहती है। इतना ही नहीं यहां टीबी के मरीजों के उपचार और जांच के लिए भी पर्याप्त स्थान नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सर्दी के मौसम में मौसमी बिमारियों के मरीज अधिक आ रहे हैं। इसके कारण चरक अस्पताल की ओपीडी और पर्ची काउंटर सहित लिफ्ट के आगे मरीजों की लाईनें लग रही है। यहां हर विभाग की ओपीडी में ठीक से उपचार करने तथा चिकित्सकों के बैठने तक की जगह कम पडने़ लगी है। यहां पर चरक अस्पताल में टीबी के मरीजों की जांच और दवाई वितरण की व्यवस्था भी एक कक्ष में की गई है। इस कारण भी स्टाफ और मरीजों को परेशानी हो रही है। यही हाल ऊपरी वार्डो में जाने के लिए लगाई गई लिफ्ट का है। यहां लगी चारों लिफ्ट के आगे हमेशा मरीजों और परिजनों की आवागमन के लिए भीड़ लगी रहती है। आज सुबह भी यहां ऐसी स्थिति बनी हुई थी।

कार बाजार में खड़ी 13 कारो से बदमाशों ने चुराई बैटरियां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार बाजार में खड़ी कारों से रात में बदमाशों ने कई बेटरियां चोरी की गई। बदमाश कुछ कारों से म्युजिक सिस्टम भी चुराकर ले गये है। पुलिस ने जांच के बाद देर शाम अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

आगररोड पर वाइन शॉप के सामने उज्जैन कार बाजार का संचालन खंडेलवाल नगर में रहने वाले मकसुद पिता मोहसीन खान द्वारा किया जाता है। जहां कई कारे बेचने के लिये उनके पास पहुंचती है। शुक्रवार सुबह जब कार बाजार संचालक पहुंचे तो पता चला कि कई कारों में लगी बेटरियां गायब है। कुछ कारों से म्युजिक सिस्टम भी नहीं है। चोरी को बोनट उठाकर और म्युजिक सिस्टम कार गेट का लॉक तोड़कर अंजाम दिया गया है। मामले की सूचना चिमनगंज थाना पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि बदमाशों ने करीब 13 कारों से बेटरी, 10 कारों से म्युजिक सिस्टम चोरी किया है। कार बाजार संचालक की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने कार बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक किया है। जिसमें 2 कैमरे टूटे होना पाये गये। जिन्हे बदमाशों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। वहीं अन्य कैमरे के फुटेज देखने पर सामने आया कि बदमाश दिखाई नहीं दे रहे है। सिर्फ परछाई दिखाई दे रही है और कारों का बोनट खुलता दिखाई दे रहा है। आसपास मार्ग पर लगे कैमरों के फुटेज देखे जा रहे है।

इंदौर रोड पर हादसे में घायल युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौररोड फोरलेन पर गुरूवार-शुक्रवार रात हादसे में घायल हुए युवक की निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक का पोस्टमार्टम कराया।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि रात में इंदौररोड फोरलेन पर इंपीरियल होटल के सामने सर्विस रोड पर स्कूटी पर सवार युवक वैभव पिता सुभाष जाटवा 26 साल निवासी बागपुरा घायल हालत में मिला था। जिसे उपचार के लिये निजी अस्पताल में परिजनों ने भर्ती किया था। जहां उसकी शुक्रवार दोपहर को मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वैभव सर्विस रोड से गुजर रहा था, जहां खुदाई के बड़े-बड़े पत्थर पड़े है। स्कूटी अनियंत्रित होने पर डिवाइडर से टकराई थी। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। मामले में जांच की जा रही है।

सडक़ों पर छोड़ा जा रहा बीमार हुए मवेशियों को

नगर निगम नहीं कर रहा कार्रवाई- जुर्माने का प्रावधान भी बेअसर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में मवेशियों के झुंड लगाने वाले कई पशु मालिकों के निशाने पर अब शहर की नई कॉलोनियां आ गई है। मवेशी पालक दुधारू नहीं रहने पर ऐसे मवेशियों को नई कॉलोनियों में छोड़ रहे हैं। 3 वर्ष पहले सरकार ने सडक़ों पर आवारा मवेशी छोडऩे पर 1 हजार रुपए का जुर्माना वाला नियम भी लागू कर दिया है। बावजूद इसके नियम के अनुसार नगर निगम इस पर कार्रवाई नहीं कर रहा है।

शहर में लगातार मवेशी राज बढ़ रहा है। शहर में साल 2019-20 में अवैध पशु बाड़ों के खिलाफ कई कार्रवाई हुई थी और दर्जन से ज्यादा पशु बाड़े तोड़े गए थे। लेकिन उसके बाद से अब तक शहर की ऐसी कोई गली, मोहल्ला, सडक़, चौराहे और हाइवे नहीं बचे हैं जहां मवेशियों के झुंड नजर ना आए।

इसके पीछे कारण यह है कि पिछले तीन साल से नगर निगम ने आवारा मवेशी पकडऩे तथा उन्हें कपिला गौशाला भेजने की कार्रवाई बंद कर दी है। इतना ही नहीं पूर्व में कार्रवाई कर तोड़े गए पशु बाड़े फिर से आबाद होने लगे हैं। कई पशु मालिकों ने तो दूध देना बंद कर चुके मवेशियों को आगर रोड, देवास रोड, इंदौर रोड और मक्सी रोड क्षेत्र में बनी नई कॉलोनियों में हांकना शुरू कर दिया है। कई पशु पालकों ने नई कॉलोनियों को अघोषित पशु बाड़े बनाना शुरू कर दिया है। यह मवेशी लोगों के घरों में भी घुसने लगे हैं। कॉलोनी के बगीचों को भी यह मवेशी उजाड़ रहे हैं। इसकी शिकायत रहवासी पिछले 3 साल से नगर निगम में कर रहे हैं, लेकिन कार्रवाई की बजाय हमेशा की तरह नगर निगम की मवेशी गैंग में शामिल कुछ कर्मचारी पशु पकडऩे वाली गाड़ी लेकर आने से पहले ही फोन कर पशु मालिकों को सूचना देकर अलर्ट कर देते हैं।

पिस्टल के साथ पकड़ाया युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध रूप से पिस्टल लेकर घुम रहे युवक की सूचना मिलने पर पुलिस ने दबिश दी। युवक को उसके घर से ही गिरफ्तार कर पिस्टल और एक कारतूस का खोखा जप्त किया। मामले में प्रकरण दर्ज कर युवक को जेल भेजा गया है। जीवाजीगंज थाना क्षेत्र के उर्दूपुरा में रहने वाला पीयूष पिता नरेन्द्र गेहलोत क्षेत्र में ही पिस्टल लेकर घुम रहा था और लोगों को धमका रहा था। कुछ लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी पीयूष को उसके घर के समीप गायत्री मंदिर के पास से हिरासत में लिया। उसके पास से देशी पिस्टल और कारतूस का खोखा बरामद होने पर आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार पीयूष आपराधिक प्रवृत्ति का है उसके खिलाफ पूर्व में भी मामले दर्ज हैं।

शादियों के सीजन से पहले सोने और चांदी के भाव उछले

सोना 1 लाख 45 हजार और चांदी 2 लाख 72 हजार पर- ग्राहकी पर असर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लग्नसरा शुरू होने में अभी समय है। लेकिन इसके पहले ही सोने तथा चांदी के दाम आसमान छू रहे हैं। उज्जैन सराफा बाजार में एक दिन पहले सोना 1 लाख 45 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक बिका। चांदी के दाम भी 2 लाख 73 हजार रहे।

खरमास समाप्त हो गया है लेकिन इस बार विवाह के मुहूर्त 1 फरवरी से आरंभ होंगे।इस दौरान वैवाहिक परिवारों द्वारा सोने और चांदी के गहनें खरीदे जाते हैं, लेकिन इस बार सोना लगातार भाव के मामले में रिकार्ड बना रहा है। एक दिन पहले उज्जैन में 24 कैरेट सोना 1 लाख 45 हजार रूपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया था और चांदी के भाव भी 2 लाख 73 हजार पर आ गए थे।

सोना और चांदी के लगातार भाव बढने़ से लोग परेशान हैं क्योंकि कुछ दिन बाद शादियों का सीजन शुरू होने जा रहा है और दुल्हन को गहने तो चढ़ाने ही हैं। दूल्हे को भी कम से कम चेन और अंगूठी देना मजबूरी है। लेकिन, इस साल तो सोने ने सारे रेकॉर्ड ही तोड़ दिए। फरवरी माह में तो सोना-चांदी ने के भाव ने ऑल टाईम हाई बना डाला है। सराफा व्यवसाई संजय सोनी ने बताया कि सोने और चांदी के भाव में रिकॉर्ड उछाल आने के बाद वैवाहिक ग्राहकी पर भी सराफा बाजार में असर देखने को मिल रहा है। उन्होंने संभावना जताई कि भाव अभी और भी बढ़ सकते हैं।

क्रिकेटर विराट कोहली और कुलदीप यादव महाकालेश्वर की भस्म आरती में हुए शामिल, श्रद्धा से लगाया ध्यान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और स्पिनर कुलदीप यादव ने शनिवार तड़के उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकालेश्वर के प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर दर्शन किए।

दोनों खिलाड़ी सुबह-सुबह महाकाल मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने पारंपरिक विधि से आरती में भाग लिया और नंदी हाल में बैठकर शांत वातावरण में ध्यान लगाकर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की।

मंदिर परिसर में खिलाड़ियों को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोनों ने शांतिपूर्वक भगवान महाकाल के दर्शन किए। विराट और कुलदीप दोनों ने भगवान के समक्ष कुछ देर मौन साधना की और उज्जैन की इस दिव्य परंपरा का अनुभव लिया।

दर्शन उपरांत महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अपर कलेक्टर एवं प्रशासक प्रथम कौशिक तथा सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने दोनों खिलाड़ियों का शाल व प्रसाद देकर सम्मान किया। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें उज्जैन आगमन और महाकालेश्वर दर्शन के लिए धन्यवाद भी दिया।

दोनों खिलाड़ियों के मंदिर आगमन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

माधव विज्ञान महाविद्यालय मे राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। म प्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के सौजन्य से शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन में दो दिवसीय राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मंचासिन अतिथियो द्वारा महान गणितज्ञ रामानुजन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं बीज वक्ता प्रो. वी. के. गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर ने कहा कि रामानुजन , वैदिक गणित एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अपने पाठयक्रम में समाहित कर लिया है। परीक्षार्थियों को सुनियोजित तरीके से मेहनत करना चाहिए ।इस समय मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रणाली,पाठयक्रम योजना एवं साक्षात्कार पूरे देश में शीर्ष पर है।साथ ही उन्होंने माधव विज्ञान महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु प्रकोष्ठ शुरू किए जाने हेतु भी सुझाव दिया है। इस अवसर परविशिष्ठ अतिथि प्राचार्य कालिदास कन्या महाविद्यालय उज्जैन डॉ. वंदना गुप्ता ने समय की गणना से लेकर तकनीक की संरचना तक, बजट से लेकर ब्रह्मांड की गति तक–हर जगह गणित मौन रहकर भी निर्णायक भूमिका निभाता है। गणित हमें केवल उत्तर निकालना नहीं सिखाता, बल्कि सोचना, तर्क करना और समस्या का समाधान खोजने का साहस देता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश व्यास ने कहा कि गणित हर क्षेत्र में व्याप्त हैं। गणित के द्वारा हम जटिल से जटिल समस्या का निराकरण कर सकते हैं। इस अवसर पर तकनीकी सत्र के विशिष्ट वक्ता डॉ संदीप कुमार तिवारी, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष गणित, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन ने अपने वक्तव में गणित में AI के अनुप्रयोगों को समझाया।

तथा तकनीकी सत्र के द्वितीय वक्ता डॉ जयेश तिवारी ने रामानुजन के जीवन वृतांत तथा उनके गणितीय कार्यो पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्वागत भाषण कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आर के तिवारी ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ स्नेहा पोरवाल ने प्रस्तुत की । कार्यक्रम का संचालन डॉ अंतिमा सिंदरसिया ने किया और आभार डॉ. आर एस राठौड़ ने माना ।

इस अवसर पर गणितीय रंगोली, पोस्टर, निबंध, गणितीय प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया तथा विजेता विद्यार्थियो को पुरुस्कृत किया गया। इस अवसर पर डॉ सतीश पाटीदार, डॉ राजेश कुमार चोरड़िया, डॉ आर के नीमा, डॉ अजय सक्सेना, डॉ आई के मंगल, डॉ. दीपेन्द्र रघुवंशी, डॉ दिनेश वर्मा, डॉ जीवन सिंह सोलंकी एवं समस्त प्राध्यापकगण, अतिथि विद्वान, निर्णायक के रुप डॉ अरविंद शर्मा, डॉ रचना खंडेलवाल, डॉ ओ पी गुप्ता तथा अन्य महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ परीक्षा वाघले, डॉ रोहित गौड, मुश्ताक खान, छात्र छात्राएं एवं श्याम राठौर, लखन राठौड़ उपस्थित रहें।

अ.भा. प्रजापति कुंभकार महासंघ ने मनाया पतंग महोत्सव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ जिला युवा जिला उज्जैन द्वारा पीलिया खाल स्थित प्रजापति नगर पर पतंग महोत्सव मनाया। जिला अध्यक्ष प्रकाश प्रजापत एवं युवा जिला अध्यक्ष कमल नंदवाना के संयुक्त नेतृत्व में जिला प्रभारी गुलाब चंद्र प्रजापति के मार्गदर्शन में लगातार सातवें वर्ष तिल के लड्डू एवं पतंग वितरण कर महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम के सूत्रधार युवा उपाध्यक्ष शंकर प्रजापति रहे।

कोर्ट पेशी से लौट रहे पिता-पुत्र पर हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जानलेवा हमले के आरोपी के साथ तारीख पेशी पर पहुंचे पिता-पुत्र को कुछ लोगों ने घर लौटते समय रास्ते में रोक लिया और हमला कर दिया। पिता-पुत्र घायल हुए हैं। माधवनगर पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। गुदरी चौराहा पर रहने वाले श्याम चौरसिया अपने पुत्र अक्षत के साथ जानलेवा हमले के आरोपी रहे परिचित के साथ कोर्ट पेशी पर पहुंचे थे। जहां फरियादी पक्ष भी आया हुआ था। कोर्ट पेशी के बाद श्याम चौरसिया और उसका पुत्र अक्षत वापस बाइक से घर लौटने के लिए निकले। इसी बीच कोर्ट के समीप सिंहस्थ मेला कार्यालय के आगे उन्हें तीन से चार लोगों ने रोक लिया और हमला कर दिया। घटना में दोनों पिता-पुत्र घायल हो गए। मामला माधवनगर थाने पहुंचा तो पिता-पुत्र को उपचार के लिए चरक अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं अक्षत चौरसिया की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया। घायल पिता-पुत्र का कहना था कि वह हमलावरों को नहीं पहचानते हैं। उन्हें कोर्ट परिसर में फरियादी पक्ष के साथ घुमते देखा था। वह आरोपी परिचित के साथ कोर्ट गए थे। पुलिस द्वारा हमलावरों का पता लगाने के लिए मेला कार्यालय के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं।

ब्लैकमेल कर मां-बेटी से दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 2 साल पहले मां बेटी को ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने के बाद वीडियो वायरल करने वाले आरोपी को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी शेष प्राकृतिक जीवन काल तक जेल की सलाखों में रहेगा।

मीडिया सेल प्रभारी कुलदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि 7 सितंबर 2023 को महिला थाना उज्जैन पर एक महिला ने शिकायत के दर्ज कराई थी कि लगभग ढाई वर्ष पहले उनके घर पर शाहरूख काम करता था, उसका आना जाना लगा रहता था। लगभग ढाई वर्ष पहले शाहरूख मेरे घर पर आया, उस समय मेरे घर पर कोई नहीं था। उसने पूछा कि सब लोग कहां गये है, मैने कहां कि घर पर कोई नहीं है फिर उसने पानी मांगा, मै पानी लेने के लिये अंदर आयी तो शाहरूख ने दरवाजा लगाकर मेरे साथ मेरी इच्छा के विरूद्ध ब्लात्कार किया और फिर चला गया, मैनें डर की वजह से उक्त घटनाक्रम मेरे पति व परिजनो को नही बता पायी। दो दिन के बाद शाहरूख फिर आया और बोला कि आपके साथ जो मैने किया है उसकी पूरी विडियो रिकार्डिंग मेरे मोबाईल में कर ली है। अब जब भी बोलू तो अपनी मर्जी से मेरे पास आना, नहीं तो मैं उक्त विडियो सबको दिखा दूंगा। मै डर गयी थी उक्त विडियो को देखने के बाद वायरल होने के डर से उसके द्वारा जैसा कहां गया वैसा करती रही। शाहरुख ने मेरी इच्छा के विरुद्ध ब्लात्कार किया। एक दिन उक्त वीडियो शाहरूख की पत्नि एवं वसीम ने देखकर वायरल कर दी और उक्त विडियो की रिकार्डिंग की कॉपी कराकर मेरे पति को दे दी, उक्त पेन ड्राईव को जब मेरे घर वालो और मैने देखा तो उसमें मेरी बेटी का भी विडियो था, मेरी बेटी से पूछा तो उसने बताया कि आपका विडियो दिखाकर, मुझे डरा धमकाकर मेरे साथ भी वही गलत काम किया। विडियो को वायरल करने की धमकी देकर बेटी के साथ भी लगातार गलत काम करता रहता था। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया। 2 साल चली सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट जिला उज्जैन के द्वारा आरोपी शाहरूख पिता जीमल छीपा 39 वर्ष, निवासी भैरवगढ़ को धारा 376 (2) भादवि एवं 5/एल, 6 पॉक्सो एक्ट में आजीवन, शेष प्राकृत जीवनकाल (मृत्यू तक) सश्रम कारावास और 10,000/- रू अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में पैरवी सूरज बछेरिया, विशेष लोक अभियोजक द्वारा की गई।

शमशान के पदाधिकारी तांत्रिकों से खासे परेशान, देश से कई तांत्रिक यहां आते है

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक महत्व वाले ओखरेश्वर श्मशान को संचालित करने वाली समिति के पदाधिकारी तांत्रिकों से खासे परेशान हो गए है। हर रोज शाम के वक्त सफाई होती है और सुबह श्मशान पर कहीं मिर्च तो कहीं अंडे और कलेजी पड़ी मिलती है। पुलिस को कई बार शिकायतें की लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो सकी। नतीजा अब खुद संचालन समिति वालों ने ही निगरानी रखना शुरू की है। गढ़कालिका मंदिर के पिछले हिस्से में नदी के किनारे पर प्राचीन ओखरेश्वर श्मशान बना है। इस स्थान का धार्मिक महत्व चक्रतीर्थ से भी अधिक बताया जाता रहा है। कोरोना काल में यहां के व्यवस्थित संचालन के लिए बकायदा एक समिति का गठन किया गया था। यह समिति ही यहां सफाई, प्रकाश, पानी और लकडी-कंडे उपलब्ध कराने जैसी व्यवस्थाएं संभालती है। पिछले करीब एक साल से समिति के सदस्यों को ही बारी-बारी से श्मशान पर निगरानी करने जाना पड़ता है, वजह है तांत्रिक। समिति के अध्यक्ष समाजसेवी सत्यनारायण कछावा बताते है कि पुलिस को कई बार समिति की ओर से शिकायत की जा चुकी है इसके बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई।

असामाजिक तत्व यहां शराब के क्वार्टर, आपत्तिजनक सामग्री आदि छोड़ जाते है। कभी ट्यूबलाइट फोड़ जाते है तो कभी गंदगी फेला जाते है।

ओखरेश्वर श्मशान की तांत्रिक क्रियाओ के लिहाज से पूरे देश में ख्याति है। यहीं वजह है कि देश के कई हिस्सों से यहां तांत्रिक आते है।

श्री चारभुजा मंदिर में 400 बच्चों को पिलाई ब्राह्मी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माघ महीने की चतुर्दशी के पावन पर्व पर श्री चारभुजा मंदिर प्रांगण में बुद्धि बढ़ाने की औषधि एवं मानसिक विकारों को दूर करने वाली अन्य शारीरिक मानसिक विकारों को दूर करने वाली ब्राह्मी औषधि का वितरण किया गया। इस अवसर पर निगम सभापति कलावती यादव, समाजसेवी बाबू कुमावत, यश कुमावत, कुमावत समाज के गणमान्य नागरिक सहित क्षेत्रीय रहवासियों ने 400 से अधिक बच्चों को ब्राह्मी का वितरण किया।

हम विकास भी करेगें, तो विरासत को साथ लेकर चलेगें - प्रहलाद सिंह पटेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज विधानसभा क्षेत्र घट्टिया में अटल सुशासन भवन (जनपद भवन) घट्टिया का भूमिपूजन कार्यक्रम, मध्यप्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री मा.श्री प्रहलाद पटेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक तरफ विकास होता है, तो विरासत भी साथ चलना चाहिये। हमें विकास ही नहीं करना, बल्कि विरासत को भी साथ लेकर चलना है। मोदी सरकार ने विरासत और विकास दोनों को आगे बढ़ाया है, और भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का काम भी कर रहे है।

मंत्री प्रह्लाद पटेल ने पंचायत और ग्रामीण विकास पर जोर देते हुए कहा कि गांवों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों को गति दें और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि पंचायत भवनों का निर्माण और सामुदायिक भवनों का विकास ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री प्रह्लाद पटेल ने नदियों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि नदी और सदी का गहरा संबंध है। उद्गम स्थल तभी जीवित रहता है, जब पेड़-पौधे होते हैं। नदियों की धारा को अविरल और प्रदूषण रहित बनाना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने नदी पुनरुद्धार और वृक्षारोपण को प्राथमिकता देने का आह्वान भी किया।

घट्टिया विधायक श्री सतीश मालवीय ने अपने उद्बोधन में मुख्य रूप से घट्टिया विधानसभा के विकास कार्यों पर जोर दिया। उन्होने बताया कि उनके क्षेत्र में सड़को, औद्योगिक परियोजनाओं ओर सुविधाओं के लिये सबसे अधिक राशि स्वीकृत हुई है। उन्होने यह भी कहा कि किसान हितों के लिये सरकार प्रतिबद्ध है, ओर प्राकृतिक आपदाओं में क्षेत्र के किसानों को भरपुर सहायता मिल रही है।